राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 174 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | रायपुर, शनिवार 30 अगस्त 2025 | www.samaydarshan.in

आर्थिक फ़ोरम में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन

जापान तकनीक, तो भारत टैलेंट का पावरहाउस-मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत-जापान आर्थिक फेरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन जापानी भाषा के साथ शुरू किया। उन्होंने वहां की भाषा में लोगों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान टेक्नोलॉजी में पावरहाउस है, तो वहीं भारत टैलेंट का पावरहाउस है। टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही विकास का नेतृत्व कर सकते हैं। भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आज सुबह ही टोक्यो पहुंचा हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मेरी यात्रा की शुरुआत बिजनेस जगत के दिग्गजों के साथ हो रही है। आप में से बहुत से लोग ऐसे हैं, जिनसे मेरा व्यक्तिगत परिचय रहा है, जब मैं गुजरात में था तब भी और जब मैं दिल्ली आ गई तब भी। भारत की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है। मेट्रो से लेकर मैन्युफैक्करिंग तक, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप्स तक हर क्षेत्र में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बनी हैं। जापानी कंपनियों ने भारत में 40 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। मात्र पिछले 2 वर्षों में 30 बिलियन डॉलर का प्राइवेट इन्वेस्ट हुआ है।'पीएम मोदी ने कहा, 'पिछले 11 वर्षों में भारत के अभूतपूर्व परिवर्तन से आप सभी भलीभांति परिचित हैं। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता है, आर्थिक स्थिरता है, नीति में में पारदर्शिता है, पूर्वानुमान की क्षमता है। आज भारत विश्व की

सबसे तेज बढ़ने वाली अहम अर्थव्यवस्था है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।' उन्होंने कहा कि 2017 में हमने एक राष्ट्र, एक कर लागू किया था। अब और भी बड़े सुधार लाने के प्रयास चल रहे हैं। कुछ ही हफ्ते पहले हमारी संसद ने एक सरलीकृत आयकर प्रणाली को मंजूरी दी है। हालांकि, हमारे सुधार केवल कराधान से कहीं आगे तक जाते हैं। हमारे सुधार केवल कर प्रणाली तक सीमित नहीं हैं। हमने व्यापार करने में आसानी पर बल दिया है। व्यापार के लिए एकल डिजिटल विंडो अप्रूवल की व्यवस्था की है। पीएम मोदी ने कहा, 'रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्र पहले ही निजी क्षेत्र के लिए खोल दिए गए हैं। अब हम परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को भी खोल रहे हैं। इन सुधारों के पीछे विकसित भारत बनाने का हमारा संकल्प निहित है। हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ विश्वास और स्पष्ट रणनीति पर आधारित है। दुनिया ने इसे पहचाना है। आज दुनिया सिर्फ भारत पर नजर नहीं रख रही है, बल्कि भारत पर भरोसा कर रही है। एसएंडपी ग्लोबल ने दो दशक बाद भारत की क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड की है। उन्होंने कहा कि ऑटो सेक्टर में हमारी भागीदारी बेहद सफ्ल रही है। हम साथ मिलकर वही द्रङ्ख्द्द्रष्, बैटरीज, रोबोटिक्स, सेमी-कन्डक्टर, शिप-बिल्डिंग और परमाणु ऊर्जा में भी दोहरा सकते हैं। साथ मिलकर हम ग्लोबल साउथ, विशेषकर अफ्रीका के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं। मैं आप सबसे आग्रह करता हूं- आइए, भारत में बनाएं, विश्व के लिए बनाएं। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत ने ्द्ब, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कम्प्यूटिंग, बायोटेक और अंतरिक्ष में साहसिक और महत्वाकांक्षी कदम लिए हैं। जापान की तकनीक और भारत का टैलेंट मिलकर इस सदी के तकनीकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं। भारत तेजी से 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। हमने 2047 तक 100 गीगावाट न्यूक्लियर पावर का भी लक्ष्य रखा है।'

हर दिन यही बकवास...

ट्रंप के करीबी पर भड़कीं सांसद प्रियंका चतुर्वेदी...

नई दिल्ली। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो पर रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत के खिलाफ बयानबाजी करने के लिए निशाना साधा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर 50त्न टैरिफ लगाने के फैसले का समर्थन करने वाले अमेरिकी अधिकारी द्वारा भारत पर बार-बार किए गए हमलों पर निराशा व्यक्त करते हुए, प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हर दिन भारत के बारे में उनकी यही बकवास सुनकर जागती हूँ। उन्होंने नवारो के दावों की तथ्य-जांच करते हुए कहा कि रूस से तेल खरीदने वाला भारत अकेला देश नहीं है। हालाँकि उन्होंने चीन

का नाम नहीं लिया, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों से अक्सर पूछा जाता रहा है कि सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के बावजूद, उस देश पर ऐसा कोई जुर्माना क्यों नहीं लगाया गया।

चतुर्वेदी ने लिखा, रूसी तेल के मामले में, भारत अकेला देश नहीं है। उन्होंने यह भी ज़ोर देकर कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष भारत का युद्ध नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

संकुल सेमरिया के सभी शालाओं में रजत जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। शासकीय प्राथमिक एवम् पूर्व माध्यमिक शाला सेमरिया, पेंड्रीतराई ,प्राथमिक शाला कोकड़ी संकुल सेमरिया विकासखण्ड धमधा जिला दुर्ग में रजत जयंती छत्तीसगढ़ राज्य 2025ङ्क26 में स्थापना दिवस का 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजन किया गया।शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शालाओं में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है ,इसी परिपेक्ष्य में पठन पाठन,पुस्तक वाचन एवम् स्पीड रीडिंग का आयोजन किया गया जिसमे छात्रों ,पालकों ,शिक्षको एवम् अन्य कर्मचारियों ने अपनी पसंद की पुस्तको का वाचन किया,सभी आनन्द और रुचि के साथ वाचन किए।इस अवसर पर ,संकुल प्राचार्य महेन्द्र सिंह ठाकुर,संकुल शैक्षिक समन्वयक सूर्यकान्त हरदेल, सभी शालाओं के प्रधान पाठक ,समस्त शिक्षको,छात्रों , पालकों और शाला के कर्मचारियों की सहभागिता रही।

भाजपाइयों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चलाया निंदा प्रस्ताव

पाटन (समय दर्शन)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की स्वर्गीय पूज्य माता जी के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने पर पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है। इसी क्रम में पाटन मंडल और इसके समस्त पाँचों मंडलों ङ्क पाटन, अमलेश्वर, दरबारमोखली, जामगाँव (आर) और कुम्हारी ङ्क के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की और इसे बेहद शर्मनाक एवं निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ मोदी जी का अपमान नहीं बल्कि हर उस भारतीय का अपमान है, जिसके लिए माँ सबसे पूज्य है। कांग्रेस और उसके सहयोगियों की हताशा अब गाली-गलौज और गिरी हुई राजनीति में सामने आ रही है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव चाहे सौ बार माफी माँग लें, लेकिन जनता उन्हें कभी माफ़नहीं करेगी।
पाटन विधानसभा भाजपा परिवार और इसके सभी पाँचों मंडल पूरी तरह से प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ खड़े हैं। बैठक में प्रमुख रूप से जनपद पंचायत अध्यक्ष कीर्ति नायक, नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले , लोक मणि चंद्राकर, हर्षा चंद्राकर, खेम लाल चंद्राकर, धर्मेंद्र कौशिक सुरेश साहू, निशा सोनी, रानी बंछोर, कमलेश चंद्राकर, ज्योति साहू, हरिशंकर साहू, रवि सिन्हा, विक्की बंछोर सहित अन्य मौजूद रहे।

जेएलएन महाविद्यालय मे राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेलो का आयोजन

नवागढ़: क्षेत्रांतर्गत राछाभाठा में संचालित पं. जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय के तत्वावधान में आज दिनांक 29 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय खेल दिवस जो भारतीय खेल हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन के उपलक्ष्य मे विभिन्न खेलो का आयोजन किया गया द्य इस खेल का शुभारम्भ महाविद्यालय के संचालक डॉ श्री विनोद बंसल, प्राचार्य श्री डॉ राजेश तिवारी एवं उप प्राचार्य सुश्री नेहा मिश्रा के द्वारा माँ सरस्वती के तेल चित्र मे दीपप्रज्वलित कर कार्यक्रम का आरम्भ किया गया, साथ ही बच्चों को सम्बोधित करते हुए खेल के महत्व को बताया गया।और सभी प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन करने के लिये सुभकामनाये दिया गया द्य इस खेल मे महाविद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा बढ़ चढ़ कर खेलो मे हिस्सा लिया गया इस खेल मे वॉलीबॉल, गोला फेंक, रस्सा- कसी, चेस, तवा फेंक बैडमिंटन इत्यादि शामिल था द्य इस खेल के संचालक श्री कमल प्रसाद रहे द्य इस कार्यक्रम मे महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण ने खेल कार्यक्रम को आयोजन कराने मे अपनी सहयोग प्रदान किया गया जिसमे श्री तेरस दिनकर यसोदा शानते, आखेंद्र जांगड़े, शिवरात्रि साहू, सतीश साहू, मालती बंजारे, प्रीती देवांगन, रजनी साहू, आरथो राठिया व अन्य कर्मचारी सहित छात्रा छात्राएं जैसे अर्जुन राजपाल, हीरालाल, ओमकार,तरला ज्वला, निधि, खुशबु, आरती देवेंद्र, आर्यन इत्यादि,उपस्थित रहे।

सुरता राज्य स्तरीय पंथी नृत्य महोत्सव एवं सतनाम संकीर्तन कार्यक्रम में पंथी रत्न से सम्मानित लक्ष्मी कांत जड़ेजा

स्व. देवदास बंजारे एवं स्व. उपेंद्र जांगड़े की स्मृति में हुआ आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन) रायपुर कुटेशर संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से उपकार पंथी लोकनृत्य कल्याण सेवा समिति कुटेशर द्वारा दिनांक 26 अगस्त 2025 को सुरता राज्य स्तरीय पंथी नृत्य महोत्सव एवं सतनाम संकीर्तन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन स्वर्गीय अंतरराष्ट्रीय पंथी कलाकार देवदास बंजारे एवं समिति के स्व. उपेंद्र जांगड़े की स्मृति को समर्पित रहा।

कार्यक्रम की गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय गुरु खुशवंत साहेब, कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले (प्रख्यात पंथी कलाकार) ने की।

विशिष्ट अतिथियों में पद्मश्री डॉ. भारती बंधु, अंतरराष्ट्रीय प्रख्यात सूफी गायक (रायपुर) जे. आर. सोनी, वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व अध्यक्ष गुरु घासीदास शोध संस्थान रायपुर राकेश तिवारी, राष्ट्रपति सम्मानित लोक कलाकार रायपुर दिलीप षड़ंगी, प्रख्यात जस गायक छत्तीसगढ़ कुमारी आरु साहू, प्रख्यात लोक गायिका, सिहावा धमतरी दिनेश जांगड़े, प्रख्यात पंथी कलाकार छत्तीसगढ़ भगत गुलेरी, प्रख्यात सतनाम भजन गायक माननीय डॉ. रोहित डहरिया, प्रख्यात जनजागृति कलाकार छत्तीसगढ़ सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में यह आयोजन ऐतिहासिक बना।

लक्ष्मी कांत जड़ेजा को मिला पंथी रत्न सम्मान- इस महोत्सव में छत्तीसगढ़ की लोककला, संस्कृति और परंपरा के संरक्षण हेतु लोक सांस्कृतिक खेल एवं मानव कल्याण समिति पंथी पार्टी, भटगांव जिला मुंगेली के अध्यक्ष लक्ष्मी कांत जड़ेजा को विशेष रूप से पंथी रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया।

उन्हें यह सम्मान पद्मश्री डॉ. भारती बंधु एवं पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले द्वारा साल, श्रीफल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर दिया गया।

मुंगेली के कई हस्ताक्षर हुए सम्मानित कार्यक्रम में मुंगेली जिले से भी कई प्रतिभाओं को सम्मान प्राप्त हुआ एच. डी. डहरिया अधीक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी

गजेन्द्र सोनवानी, वरिष्ठ पंथी कलाकार जितेंद्र दिवाकर, शिक्षक एवं समाजसेवी वीर सिंह सिकंदर, समाजसेवी एवं ऊर्जावान शिक्षक लक्ष्मी कांत जड़ेजा का योगदान

लक्ष्मी कांत जड़ेजा सामाजिक, सांस्कृतिक, नारी उत्थान, सामाजिक समरसता एवं पंथी के क्षेत्र में लगातार मुंगेली जिले को गौरवान्वित कर रहे हैं।

अब तक 4 बार राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किया है।

छत्तीसगढ़ के 250 से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में पुरस्कार व सम्मान प्राप्त कर चुके हैं राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, गोवा आदि राज्यों में पंथी नृत्य प्रस्तुत कर बाबा गुरुघासीदास जी का मनखे-मनखे एक समान संदेश जन-जन तक पहुँचाया।

राष्ट्रीय एकता शिविर (उज्जैन 2004, सीधी 2006, नरसिंहपुर 2006), कला गांव लखनऊ 2007, विश्व सांस्कृतिक महोत्सव दिल्ली 2016, गोवा अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान 2025 में भी उल्लेखनीय प्रस्तुति दी।लगातार 8 वर्षों तक मुंगेली जिला स्तरीय पंथी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया।

संस्कृति संरक्षण का संदेश यह महोत्सव छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, लोककला और परंपरा को जीवित एवं समृद्ध बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

श्री बलराम जयंती किसान दिवस के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र में सम्पन्न

मुंगेली (समय दर्शन) छत्तीसगढ़ शासन, कृषि विकास तथा किसान कल्याण एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नवा रायपुर के निर्देशन में भगवान बलराम जयंती (भाद्रपद शुक्ल षष्ठी) को किसान दिवस के रूप में जिलेभर में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, मुंगेली में प्राकृतिक खेती, गौ-आधारित कृषि वाणिज्य तथा तिलहन उत्पादन विषय पर जिला स्तरीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान बलराम की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण हुआ। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस. के. वर्मा ने किसानों को जैविक खाद की महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी। विषय विशेषज्ञ (पादप रोग) एस. के. लहरे ने धान की फसलों में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों के प्रबंधन के उपाय बताए। विषय विशेषज्ञ (उद्यानिकी) डॉ. प्रमिला जोगी ने वर्षा कालीन सब्जियों की उन्नत खेती की तकनीक पर प्रकाश डाला। विषय विशेषज्ञ (कृषि प्रसार) श्रीमती नेहा लहरे ने क्रॉप डॉक्टर ऐप की उपयोगिता एवं उसके लाभों की जानकारी दी। इंजीनियर पल्लवी पोर्ते ने कृषकों को नवीन कृषि यंत्रों की जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच श्री पोरेन्द्र पाल डहरिया,तथा कृषि विभाग से श्रीमती निवेदिता गवेल, डीपीडी, सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कृषक उपस्थित रहे।

''आदि कर्मयोगी अभियान'': संकल्प और समर्पण के आदर्शों के साथ जनजातियों को सशक्त बनाने अभिनव पहल

ब्लॉक टीम एवं सी.एस.ओ. को विजन निर्माण हेतु दिया गया प्रशिक्षण

मुंगेली(समय दर्शन)जनजातीय क्षेत्रों में सेवा संकल्प और समर्पण के प्रेरक आदर्शों के साथ जनजाति समुदायों को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने आदि कर्मयोगी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के विकास एवं कल्याण से जुड़े हुए प्रमुख योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करना है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' तथा सेवा, समर्पण और संकल्प से प्रेरित है। इसके अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय टीमों एवं नागरिक सामाजिक संगठनों को सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से जनजाति बाहुल्य गावो में विजन निर्माण के लिए जनपद पंचायत लोरमी सभाकक्ष में प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में ब्लॉक स्तरीय टीमों को जनजातीय गांव में समुदाय संचालित विकास सुनिश्चित करने के लिए विजन निर्माण के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सांस्कृतिक मूल्यों एवं स्थानीय आवश्यकताओं के साथ जनजाति समुदायों का विकास सुनिश्चित करने, संसाधनों तक पहुंच को सुगम बनाने, जनजाति समुदायों से प्रत्यक्ष जुड़ाव आदि विषयों पर आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। आयोजित प्रशिक्षण सह कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर बी.आर. वर्मा, ए पी ओ पी.आर. धृतलहरे, सीईओ लोरमी पंचराम, नायब तहसीलदार सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं 28 ग्रामों के पंचायत सचिव मौजूद रहे।

''गौ सेवा संकल्प अभियान'' : 28 गांवों में गौ चौपाल, 460 से अधिक ग्रामीण बने गौ सेवा मित्र

मुंगेली(समय दर्शन) गायों के प्रति सेवा संरक्षण और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय के मार्गदर्शन में जिले में ''गौ सेवा संकल्प अभियान'' चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बेसहारा एवं सड़कों पर छोड़े गए मवेशियों के बेहतर प्रबंधन, सेवा और संरक्षण को सुदृढ़ करना है। अभियान के तहत ग्रामीण एवं आमजनों को जागरूक करने के लिए जिले के विभिन्न गांवों में गौ चौपाल का भी आयोजन किया जा रहा है।

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ त्रिपाठी ने बताया कि अब तक जिले के 28 गांव में गौ चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें मुंगेली के 13, लोरमी के 06 और पथरिया के 09 गांव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन चौपाल में 900 से अधिक ग्रामीण उपस्थित हुए और गौ सेवा के प्रति प्रोत्साहित होकर 460 से अधिक ग्रामीणों ने गौ सेवा मित्र के रूप में अपना पंजीयन कराया। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि अब तक 01 हजार 360 से अधिक घुमंतू मवेशियों की पहचान की गई है। 91 मवेशियों की पहचान कर उनके मालिकों को सौंपा गया। गौ सेवा संकल्प से प्रेरित होकर 41 व्यक्तियों ने गायों को गोद लिया। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन लगातार ग्रामीण एवं आमजनों को गायों के प्रति सेवा, संरक्षण एवं सहयोग के लिए प्रोत्साहित एवं जागरूक कर रहा है, ताकि पशुओं को उचित आश्रय एवं संरक्षण मिल सके और सड़कों पर दुर्घटना के कारण पशु एवं जनहानि को रोक जा सके।

गौवंश तस्करी पर प्रशासन की सख्ती, दो वाहनों को किया गया राजसात

मुंगेली(समय दर्शन) जिले में अवैध पशु परिवहन एवं पशु क्रूरता की घटनाओं पर रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुन्दन कुमार ने दो अलग-अलग मामलों में गौवंश परिवहन में उपयोग किए गए वाहनों को छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2014 एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के प्रावधानों के तहत राजसात करने का आदेश पारित किया है। पहले मामले में थाना सिटी कोतवाली मुंगेली द्वारा अपराध क्रमांक 92/2025 में आरोपियों द्वारा अवैध रूप से पशु का वध कर मांस बेचने की सूचना पर कार्यवाही की गई थी। जांच के दौरान प्रयुक्त वाहन क्रमांक सीजी-22-एच-2146 को जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। विवेचना उपरांत वाहन को राजसात करने का प्रस्ताव जिला दण्डाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिस पर आदेश पारित करते हुए वाहन को शासन पक्ष में राजसात किया गया। दूसरे मामले में थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 332/2025 में वाहन क्रमांक सीजी-12-एस-1945 से गौवंश परिवहन किए जाने की सूचना पर कार्यवाही की। जांच में पाया गया कि वाहन में 34 नग गौवंश अवैध रूप से भरकर तस्करी की जा रही थी। पुलिस ने वाहन को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया। संपूर्ण विवेचना उपरांत जिला दण्डाधिकारी ने उक्त वाहन को भी राजसात करने का आदेश दिया। दोनों प्रकरणों में न्यायालयीन कार्यवाही पूर्ण होने के बाद वाहनों का मूल्यांकन कर शासन की ओर से नीलामी कर राशि शासकीय कोष में जमा कराई जाएगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मेजर ध्यानचंद हॉकी मैदान से हाई स्कूल मैदान तक फिटनेस रैली का हुआ आयोजन

सांसद, विधायक, कलेक्टर, एसपी सहित जनप्रतिनिधि हुए शामिल, खेल जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक - सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े

सांसद खेल महोत्सव का हुआ शुभारंभ, राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 से 31 अगस्त तक होंगे विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)/ राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज प्रात: 7 बजे फिटनेस रैली मेजर ध्यानचंद हॉकी मैदान से प्रारंभ होकर कचहरी चौक होते हुए हाई स्कूल मैदान जांजगीर तक निकाली गई। कार्यक्रम के माध्यम से फिटनेस के साथ युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने का संदेश भी दिया गया। फिटनेस रैली में लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, जांजगीर-चांपा विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, पूर्व विधायक श्री अंबेश जांगड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया, नगर पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री मोहन यादव, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय पांडेय, डीएफओ श्री हिमांशु डोंगरे, पार्षदगण, खेल संघ के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने उपस्थित जनों को फिट इंडिया की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। खेलकूद से युवा पीढ़ी न केवल स्वस्थ रहती है, बल्कि उनमें अनुशासन और टीम भावना का भी विकास होता है। राष्ट्रीय खेल दिवस के शुभ अवसर पर 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न खेल कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। उन्होंने खिलाड़ियों और युवाओं से कहा कि वे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले, राज्य और देश का नाम गौरवान्वित करें। इस दौरान सांसद श्रीमति जांगड़े ने सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रस्साकशी तथा हैंडबॉल, हॉकी खेल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्री दीपक कुमार यादव ने किया।

खिलाड़ियों एवं संघ पदाधिकारी का किया गया सम्मान - कार्यक्रम के दौरान सांसद, विधायक सहित अतिथियों ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के साथ-साथ खेल संघों के पदाधिकारियों को भी उनके योगदान और उपलब्धियों के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

30 एवं 31 अगस्त को जिले में होंगे विविध खेल कार्यक्रम का आयोजन - 30 अगस्त को खेलो इंडिया सेंटर में हॉकी, डाईट में रस्साकसी, सीटी क्लब में वालीबाल, सेजेस हॉल जांजगीर में खेल से संबंधित विषयों पर वाद विवाद व फिटनेस टॉक, हाई स्कूल मैदान जांजगीर में फुटबाल व कराते का आयोजन किया जाएगा। 31 अगस्त को प्रात: 7.30 बजे शासकीय हाई स्कूल मैदान से कचहरी चौक, नेताजी चौक लिंक रोड होते हुए वापस शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर तक सायकल रैली एवं हसदेव पब्लिक स्कूल (लछनपुर) चांपा में अंडर 19 वर्ग शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

औद्योगिक नीति 2024-30, प्राकृतिक संसाधन, कुशल मानव संसाधन और मजबूत कनेक्टिविटी से छत्तीसगढ़ बना वैश्विक साझेदारी का आदर्श गंतव्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश हेतु किया आमंत्रित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश हेतु किया आमंत्रितमुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश हेतु किया आमंत्रितमुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश हेतु किया आमंत्रित मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन और निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी प्रो-एक्टिव एवं विकासोन्मुख औद्योगिक नीति 2024-30, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और प्रशिक्षित जनशक्ति के बल पर वैश्विक निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कोरियाई ब्रांड हर भारतीय घर का हिस्सा हैं। एलजी, सैमसंग, हुंडई जैसी कंपनियां गांव-गांव तक पहुंच चुकी हैं। छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में जल, ऊर्जा, लौह अयस्क व स्टील और बेहतरीन कनेक्टिविटी उपलब्ध है। ये संसाधन दक्षिण कोरियाई निवेशकों के लिए अवसरों के नए द्वार खोलते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार सिंगल-विंडो क्लीयरेंस, व्यवसाय सुगमता और उद्योग-अनुकूल नीतियों के माध्यम से प्रत्येक निवेशक को हर स्तर पर सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज खनिज, ऊर्जा, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और आईटी-स्टार्टअप्स जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निवेश का स्वागत कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ का विकास मॉडल केवल औद्योगिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को रोजगार, महिलाओं को स्वावलंबन और किसानों को उपज का बेहतर मूल्य दिलाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश के साथ-साथ सामाजिक सशक्तिकरण भी हमारी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने भारत के राजदूत श्री अमित कुमार से भारतीय दूतावास, सियोल में मुलाक़ात कर छत्तीसगढ़ में निवेश संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने स्टील और खनिज से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स व फूड प्रोसेसिंग तक, मजबूत द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दक्षिण कोरिया और छत्तीसगढ़ के बीच सांस्कृतिक एवं कारोबारी रिश्तों को रेखांकित करते हुए कहा कि इन साझेदारियों से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, अनुसंधान एवं नवाचार और उच्च मूल्य रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। उन्होंने कोरियाई निवेशकों से आग्रह किया कि वे छत्तीसगढ़ को अपने नए औद्योगिक निवेश स्थल के रूप में चुनें और साझा समृद्धि की इस यात्रा का हिस्सा बनें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं निवेश संवर्धन एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीएम साय ने की बाढ़ की समीक्षा, हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा में राहत व पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। की समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टरों व वरिष्ठ अधिकारियों को प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार तक हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की पीड़ा को शीघ्र कम करना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि संकट की इस घड़ी में प्रशासन उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ से हुई जनहानि और पशुहानि प्रभावित परिवारों को राहत राशि बिना विलंब के उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त आवासों के सुधार हेतु तिरपाल, बाँस-बल्ली और राहत राशि का वितरण प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों के प्रभारी सचिव अपने-अपने जिलों का भ्रमण करें और राहत कार्यों का सतत पर्यवेक्षण करें। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्रभावित गाँवों से सड़क संपर्क बहाल करने, क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों की मरम्मत और बिजली आपूर्ति पुनर्स्थापना का कार्य युद्धस्तर पर किया जाए। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह भी उपस्थित थे। मुख्य सचिव जैन ने कलेक्टरों से कहा कि यदि उन्हें शासन स्तर से अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता हो तो वे तुरंत प्रस्ताव भेजें, ताकि शासन स्तर पर शीघ्र निर्णय लिया जा सके। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह ने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि राहत शिविरों में भोजन, कपड़े और सूखा राशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि राहत शिविरों और प्रभावित गाँवों में स्वास्थ्य शिविर और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। बैठक के प्रारंभ में राजस्व सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने मुख्यमंत्री को बस्तर में बाढ़ की स्थिति और अब तक किए गए राहत कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी बाढ़ प्रभावित जिलों को अतिरिक्त राशन का आबंटन भी कर दिया गया है और सामग्री प्रभावित परिवारों तक पहुँचाई जा रही है। इसके उपरान्त मुख्यमंत्री साय ने चारों जिलों के कलेक्टरों से सीधे संवाद कर उनके-अपने जिलों में चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

दशलक्षण पर्यूषण महापर्व पर जिनालयों में आरंभ हुई अपूर्व प्रभावना

रायपुर। जैन समाज के महापर्व दशलक्षण पर्यूषण का शुभारंभ गुरुवार को भाद्रपद शुक्ल पंचमी, ऋषि पंचमी के दिन राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर के दिगंबर जैन जिनालयों में हुआ। यह पर्व अनंत चतुर्दशी तक चलेगा।

महापर्व की शुरुआत उत्तम क्षमा धर्म से हुई। सुबह से ही मंदिरों में श्रावक-श्राविकाओं ने प्रभु की प्रतिमाओं का पाण्डुकशीला पर विराजमान कर शुद्ध प्रासुक जल से अभिषेक, शांतिधारा और दशलक्षण पूजन कर धर्मलाभ लिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता से जिनालयों का वातावरण भक्ति और साधना से सराबोर रहा।

आज की शांतिधारा का सौभाग्य श्रेयश जैन बालू को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उन्होंने क्षमा धर्म की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि क्रोध पर विजय पाने से ही क्षमा को आत्मसात किया जा सकता है। क्षमा का अभ्यास आत्मा को शुद्ध करता है और जीवन को धर्ममार्ग पर अग्रसर करता है। राजधानी के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ), फांफाड़ीह स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर, लाभांडी का श्री पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, टैगोर नगर का श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, शंकर नगर का श्री चंद्रप्रभु जैन मंदिर तथा डी.डी. नगर का श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर सहित विभिन्न जिनालयों में पर्व की आराधना प्रारंभ हुई। दिगंबर जैन पंचायत ट्रस्ट एवं समितियों द्वारा व्यवस्थाओं की देखरेख की जा रही है। श्रद्धालु त्याग, संयम और आत्मशुद्धि की साधना कर धर्ममार्ग पर अग्रसर हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ देश का ऑक्सीजोनः वनमंत्री श्री केदार कश्यप

रायपुर। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का अक्सीजोन है। यह प्रकृति का आशीर्वाद है कि हमारा राज्य वनों से भरपूर है। उन्होंने कहा कि वनों से आच्छादित बस्तर क्षेत्र में जन्म लेने का अवसर मिला। वनों को हमारे पूर्वजों ने सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर के रूप संरक्षित किया है। वनोपज यहां जीविकोपार्जन का साधन है। इसलिए वनों का संरक्षण करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। साथ ही आगामी पीढ़ी को भी इसके महत्व से भली-भांति अवगत कराना है। ये बातें वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज बस्तर जिले के आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला जामावाडा में आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम में कही।

वनमंत्री श्री कश्यप ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि पूरे प्रदेश में वनाच्छादन में वृद्धि के मामले में हमारा राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। भारत सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक 68000 हेक्टेयर में वनाच्छादन में वृद्धि हुई है।

इस अवसर पर वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने किसान वृक्ष मित्र योजना के वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के 1483 हितग्राहियों का 92 लाख रूपए की राशि का चेक वितरित किया। कार्यक्रम में विधायक श्री किरण सिंह देव ने भी अपने सम्बोधन में वनों के महत्व को विस्तार से बताया। रजत जयंती वर्ष में आयोजित पर जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम में विधायक चित्रकोट श्री विनायक गोयल, बेवरेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव मद्दी, नगर निगम सभापति श्री खेम सिंह देवांगन, अन्य जनप्रतिनिधि श्री वेद प्रकाश पांडे, रूप सिंह मंडावी सहित सीसीएफ श्री आर दुग्गा सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि ने स्कूल परिसर में एक पेड़ माँ के नाम पर वृक्षारोपण किया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारी व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

कार्यालय, सेनानी 14वीं वाहिनी (भा/र) छ.स.बल धनोरा, जिला-बालोद (छ0ग0)

क्रमांकः- 14वीं वाहिनी/भा.र./छ.स.बल/धनोरा/सा.अ./1574 B /2025, दिनाँक-26/08/2025

-:: निविदा विज्ञप्ति ::-

सेनानी 14वीं वाहिनी (भा/र) छसबल मुख्यालय धनोरा जिला बालोद (छ0ग0) में अनुरक्षण कार्य मद के अंतर्गत निम्नांकित कार्य के लिये सेनानी 14वीं वाहिनी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से 02 लिफाफा पद्वति में (लिफाफा 'अ' में टेक्निकल बीड एवं लिफाफा 'ब' में फायनेंसियल बीड) रिपेयरिंग एवं मेंटेनेंस कार्य बाबत् मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। सील बंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता का लेख किया जाना आवश्यक है।

क्र.	विवरण	अनुमानित राशि लाख में	सुरक्षा निधि
01	राजपत्रित अधिकारी रेस्ट रूम का रिपेयरिंग एवं मेंटेनेंस कार्य	4,96,000/-	14,880/-

01. निविदा बिक्री की अंतिम तिथि - 03.09.2025 को समय 17:00 बजे तक,
02. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 04.09.2025 को समय 15:00 बजे तक,
03. निविदा खोलने की तिथि - 04.09.2025 को समय 16:00 बजे,

नोट :-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु राशि-1,000/-रू0 का चालान **"लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट"** के अंतर्गत सेनानी 14वीं वाहिनी (भा/र) छ.स.बल धनोरा, जिला-बालोद (छ0ग0) के नाम से स्वीकार्य होगा। निर्माण कार्य हेतु नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ देय होगा।

सेनानी
14वीं वाहिनी (भा/र) छसबल
धनोरा, जिला-बालोद (छ0ग0)

G- 252603112/2

सैमसंग ने त्योहारों से पहले लॉन्च किया 'बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर', कपड़े धुलना और सुखाना होगा अब और भी आसान

गुरुग्राम: भारत का सबसे बड़ा कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग अपने प्रीमियम होम अप्लायंसेज़ की रेंज को और मजबूत करने के लिए तैयार है। कंपनी जल्द ही 'मेड इन इंडिया बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर कॉम्बो' लॉन्च करेगी, जिसे खासतौर पर आधुनिक भारतीय घरों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। त्योहारों के सीज़न से ठीक पहले आने वाला यह नया वॉशर ड्रायर कॉम्बो उन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए खास पेशकश है, जो डिज़ाइन, टेक्नोलॉजी और आसान इस्तेमाल का परफेक्ट संयोजन चाहते हैं। इस लॉन्च के साथ सैमसंग तेजी से बढ़ते वॉशर-ड्रायर सेगमेंट में अपनी पकड़ और मजबूत करेगा। नया बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर कॉम्बो इंटेलिजेंट इनोवेशन, सिग्नेचर बेस्पोक डिज़ाइन और एडवांस्ड फैब्रिक केयर का बेहतरीन संगम है। इसमें मौजूद एआई वॉश कपड़ों का वजन, फैब्रिक का प्रकार और गंदगी का स्तर पहचानकर हर वॉश को अधिक प्रभावी बनाता है। वहीं एआई ईकोबबल जिद्दी दागों को आसानी से हटाता है और सुपर स्पीड + क्विकड्राइव कुछ ही मिनटों में धुलाई पूरी कर देता है। सैमसंग की हालिया कंज़्यूमर स्टडी के अनुसार, भारत में वॉशर-ड्रायर कॉम्बो की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसके पीछे प्रमुख कारण हैं ङ्क जगह बचाने की जरूरत और एआई-सक्षम, ऊर्जा-कुशल और मल्टीफंक्शनल उपकरणों की बढ़ती लोकप्रियता। इस नए लॉन्च के साथ, सैमसंग ने भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक आधुनिक और स्मार्ट समाधान पेश किया है, जो दैनिक लॉन्ड्री को आसान और झंझटमुक्त बनाएगा, साथ ही घर में जगह बचाने में भी मदद करेगा।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के नये पदाधिकारियों-मोर्चा के अध्यक्षों को 31 को दिया जाएगा प्रशिक्षण

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं विभिन्न मोर्चा के पदाधिकारियों को 31 अगस्त को विधिवत प्रशिक्षण दिया जाएगा। भाजपा के कार्यालय मंत्री अशोक बजाज के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव की नई कार्यकारिणी गठित कर दी गई है जिसके अनुसार यहां पर दो महामंत्री यशवंत जैन और अखिलेश सोनी बनाये गये हैं। वहीं भाजयुमो अध्यक्ष राहुल टिकरिहा किसान मोर्चा के आलोक ठाकुर महिला मोर्चे की विभाग अवस्थी तथा अल्पसंख्यक वर्ग के नये अध्यक्ष बनाए गये है। इन अध्यक्षों ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पश्चात नये संगठन की बारीकियों एवं अन्य दिशा निर्देश दिये जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव की नये टीम ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। राज्य में भाजपा के सभी जिलों एवं जाति समीकरण के आधार पर कार्यकारिणी बनाई गई है जिसके चलते समाज के सभी वर्गों को जोड़ने की कवायद की गई है। इससे पार्टी को चुनाव में लाभ मिलने की आशंका है। इधर केबिनेट विस्तार में भी अंबिकापुर दुर्ग तथा रायपुर जिले को महत्व दिया गया है। नये चेहरों को भी प्रवेश दिया गया है। जिसके कारण अब विष्णुदेव सरकार भी मजबूत होते नजर आ रही है। संगठन द्वारा शीघ्र ही अन्य शेष लोगों को भी उपक्रत किये जाने की योजना है।

न्यायधानी बिलासपुर में मिलेगा एम्स स्तर का इलाज

रायपुर। छत्तीसगढ राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 25 अगस्त 2025 को कुमार साहब स्व. दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बिलासपुर और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), रायपुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस करार से प्रदेशवासियों को अब अपने ही शहर में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ और उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो सकेंगी। समारोह में एम्स रायपुर की ओर से कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त), अधिष्ठाता (अनुसंधान) डॉ. अभिरुचि गल्होत्रा, सह-अधिष्ठाता (अनुसंधान) डॉ. एकता खंडेलवाल तथा अतिरिक्त प्राध्यापक डॉ. राकेश गुप्ता उपस्थित रहे। वहीं सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बिलासपुर की ओर से चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप सिंह, प्रोफेसर डॉ. अर्चना सिंह और सह-प्रोफेसर डॉ. अभिषेक कुमार मौजूद थे। इस अवसर पर डॉ. भानु प्रताप सिंह ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन से अस्पताल के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से जोड़ा जाएगा। इसके अंतर्गत उन्हें समय-समय पर नवीनतम तकनीकों और उन्नत चिकित्सा पद्धतियों का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। साथ ही शोध कार्यों और नई तकनीकों को लागू करने में भी सहयोग मिलेगा। इस साझेदारी का सीधा लाभ प्रदेश के आम नागरिकों को मिलेगा, क्योंकि उन्हें अपने ही शहर में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, डॉ. सिंह ने कहा।

उन्होंने आगे बताया कि बिलासपुर आयुक्त श्री सुनील जैन और कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने उन्हें प्रेरित किया कि वे एम्स रायपुर का भ्रमण कर वहाँ की कार्यप्रणाली को समझें और सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भी वैसी ही सुविधाओं का विकास करें।

एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ले. जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने इस अवसर पर कहा कि एम्स हमेशा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बिलासपुर के चिकित्सकों, नर्सों और कर्मचारियों को नैदानिक प्रशिक्षण, संकाय आदान-प्रदान, सहयोगी शोध, टेलीमेडिसिन सेवाओं तथा बहु-केंद्रीय अध्ययनों में हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार लगातार सार्वजनिक स्वास्थ्य मॉडल को मजबूत करने और एकीकृत प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही है।

एम्स रायपुर अपने अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा तंत्र, उत्कृष्ट नैदानिक अभ्यास और उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्यों के लिए न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विख्यात है। यह करार प्रदेश की चिकित्सा प्रणाली को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

मौसम विभाग ने बस्तर में भारी वर्षा होने की दी चेतावनी

सभी नदी नाले उफान पर, सड़क संपर्क टूटा

सिस्टम धीरे धीरे उत्तरी छग की ओर बढ़ रहा

राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी मुस्तैदी बरतने के निर्देश

रायपुर। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा ने बताया कि बस्तर संभाग में कम दबाव का क्षेत्र निर्मित होने के कारण आज व कल भारी वर्षा होगी। वहीं यह सिस्टम उत्तर की ओर धीरे धीरे बढ़ता जाएगा। जिसके कारण सरगुजा संभाग के पश्चात मध्य क्षेत्र कहे जाने वाले रायपुर बिलासपुर दुर्ग संभाग में भी भारी वर्षा होगी। मौसम विभाग के अनुसार बस्तर संभाग के अंतर्गत आने वाले दंतेवाड़ा के रेलवे ट्रेक को भारी क्षति पहुंची है। वहीं किलेपाल और कंकलूर मार्ग पर पूल टूट गया है। 300 से अधिक गांव टापू बन गये है। मौसम विभाग के अनुसार बस्तर संभाग में 77 एमएम वर्षा रिकार्ड की गई है। दंतेवाड़ा की शंखनी डंगनी बीजापुर में सुकमा मलेझर नदी में बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। राजधानी रायपुर में भी आज सुबह से मौसम साफ रहा लेकिन यहां पर परसों से अच्छी वर्षा होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री ने राजस्व सचिव से बाढ़ की ली जानकारी- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व सचिव एवं आपदा राहत आयुक्त श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त श्री डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति जानी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजस्व सचिव कंगाले ने मुख्यमंत्री को बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा, दरभा और तोकापाल विकासखंडों में प्रशासन लगातार राहत कार्य संचालित कर रहा है। लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम मांदर से 21 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया है। वहीं, लोहंडीगुड़ा क्षेत्र में हेलीकॉप्टर और नाव की सहायता से ग्रामीणों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। बीते 24 घंटों में 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसडीआरएफको हाई अलर्ट पर रखा जाए और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने संभाग के सभी कलेक्टरों को निचले इलाकों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क करने और सुरक्षित स्थानों पर शीघ्र पहुँचाने के निर्देश दिए।

संपादकीय

भारत-चीन संबंधों में सुधार

चीन को अहसास है कि भारत ने कुछ अमेरिका के बदले रुख और कुछ आर्थिक जरूरतों के कारण उसकी तरफ हाथ बढ़ाया है। तो उसकी सोच है कि भारत और अमेरिका के बीच दूरी जितनी बढ़ाई जा सके, वह उसके दीर्घकालिक हित में होगा। भारत- चीन के संबंधों में जिस तेजी से सुधार हो रहा है, उन पर सहज यकीन नहीं होता। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान माहौल सतर्कता भरी गर्मजोशी का रहा। ऐसा महसूस हुआ कि फिलहाल भारत सरकार का जो मन बदला है, चीन उसका पूरा फायदा उठा लेने की फिराक में है। चीन का मकसद रणनीतिक है। उसे अहसास है कि भारत ने कुछ अमेरिका के बदले रुख और कुछ आर्थिक जरूरतों के कारण उसकी तरफ हाथ बढ़ाया है। तो चीन की सोच संभवत: यह है कि इस मौके पर भारत और अमेरिका के बीच दूरी जितनी बढ़ाई जा सके, वह उसके दीर्घकालिक हित में होगा। नतीजतन, वांग की यात्रा के दौरान चीन ने रेयर अर्थ, अन्य खनिजों एवं उर्वरकों का भारत को निर्यात की इजाजत देने के संकेत दिए। दोनों देश सीधी विमान सेवा और सीमा व्यापार फिर शुरू करने की ओर भी आगे बढ़े हैं। चीन ने तिब्बत में बन रहे दुनिया के सबसे बड़े बांध के कारण ब्रह्मपुत्र नदी में दल के बहाव के बारे में भारत में फैली चिंता का समाधान करने की कोशिश भी की। वांग सीमा वार्ता के लिए नई दिल्ली आएथे। इस दिशा में भी प्रगति हुई। सीमा निर्धारण के लिए विशेषज्ञ दल बनाने का निर्णय हुआ है। वांग की यात्रा के दौरान सबसे प्रमुख घटना उनकी प्रधानमंत्री से मुलाकात रही, जिस दौरान नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन की चीन में होने जा रही शिखर बैठक में भाग लेने की पुष्टि कर दी। मोदी ने कहा- 'भारत और चीन के बीच स्थिर, पुर्वानुमेय एवं रचनात्मक संबंध का क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति और समृद्धि में महत्त्वपूर्ण योगदान होगा।' मगर कई पेच बाकी हैं। उनमें सीमा विवाद सिर्फ एक है। गौरतलब है कि वांग नई दिल्ली से सीधे पाकिस्तान गए हैं। दक्षिण एशिया में चीन और भारत की रणनीतियों में टकराव के पहलू बने हुए हैँ। उनके रहते दोनों देश समान मकसद के लिए काम कर पाएंगे, इसकी संभावना कम दिखती है। इसीलिए ये सवाल उठा है कि क्या दोनों देश फिलहाल अपने संबंधों में सिर्फ फ़ौरी एडजस्टमेंट कर रहे हैं?

चुनाव आयोग खुद एक ऐसी मजबूर संस्था

हरिशंकर व्यास

देश में गिनी चुनी संस्थाएं थीं, जिनके कामकाज को देश के अंदर और बाहर भी सराहा जाता था। उनमें एक संस्था चुनाव आयोग था। टीएन शेषन के समय लोगों ने जाना कि चुनाव आयोग एक संस्था होती है और वह चाहे तो सरकारों को कुछ भी करने के लिए मजबूर कर सकती है। लेकिन अब चुनाव आयोग खुद एक ऐसी मजबूर संस्था दिख रही है, जिस पर दया आती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोनों चुनाव आयुक्तों के साथ पिछले रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उसकी ऐसी दयनीयता सामने आई, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है।

विपक्ष के आरोपों पर ऐसे ऐसे बेसिरपैर के तर्क दिए जा रहे थे, जैसे तर्क टेलीविजन की बहसों में पार्टी के प्रवक्ता भी नहीं देते हैं। चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके नेता प्रतपिक्ष राहुल गांधी को धमकाया कि आपने जो आरोप लगाए हैं उन्हें हलफनामे के साथ चुनाव आयोग के सामने दायर करें या देश से माफी मांगें। सोचें, पहले चुनाव आयोग सिर्फ एक लाइन कह देता था कि आरोपों की जांच कराई जाएगी और मामला खत्म हो जाता था। अब आयोग को हलफनामा चाहिए तब जांच होगी!

चुनाव आयोग की साख और हैसियत ऐसी हो गई है कि विपक्षी पार्टियों के नेता खुलेआम उसे धमकी दे रहे हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग के अधिकारी और कर्मचारी होशियार हो जाएं। सत्ता बदलेगी तो सबका हिसाब होगा। उन्होंने यहां तक कहा कि रिटायर हो जाने के बाद भी कोई नहीं बचेगा। इससे पहले क्या किसी संवैधानिक संस्था के प्रति ऐसी अनादर वाली बात किसी विपक्षी पार्टी के मुंह से निकलती थी? विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस को भाजपा के प्रवक्ताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस बता रही हैं। ऐसा होने चुनाव आयोग की अपनी करनियों, अपने रवैए से साख और प्रतिष्ठा गंवाने से है। आयोग ने निष्पक्ष और तटस्थ दिखने का प्रयास ही बंद कर दिया है।

इसकी एक मिसाल तो यही है कि राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बेंगलुरू सेंट्रल लोकसभा सीट की एक विधानसभा सीट महादेवपुरा में एक लाख वोट की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने तत्काल राहुल को नोटिस जारी कर दिया और कहा कि वे अपने आरोपों को हलफनामे के साथ जमा कराएं। इसके अगले ही दिन भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने रायबरेली और अमेठी लोकसभा में लाखों वोटों की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने उनको नोटिस जारी करने की जरुरत नहीं समझी।

चुनाव प्रचार के दौरान भी सत्ता पक्ष के नेताओं के भड़काऊ भाषण की अनगिनत शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं लेकिन चुनाव आयोग कान में तेल डाल कर बैठा रहता है। लेकिन अगर किसी विपक्षी नेता के खिलाफ शिकायत आ जाए तो तत्काल कार्रवाई की जाती है। चाहे खर्च का मामला हो या भड़काऊ भाषण का मामला हो या मतदान में गड़बड़ी का मामला हो। हर मामले में चुनाव आयोग विपक्ष के विरोध में काम करता दिखता है। तभी विपक्षी पार्टियों ने उसे भाजपा का अभिन्न अंग बताना शुरू कर दिया है। विपक्षी पार्टियों ने पिछले दिनों कहा कि आयोग को इतने बड़े कार्यालय की क्या जरुरत है। भाजपा कार्यालय में एक फ्लोर पर उसका ऑफिस बना दिया जाए।

आज स्थिति है कि जिसको मन होता है वह चुनाव आयोग पर आरोप लगा कर चला जाता है और आयोग इस बात का रोना रो रहा है कि उसकी इज्जत होनी चाहिए। चुनाव आयोग की ओर से वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 'वोट चोरी' जैसा शब्द बहुत अपमानजनक है और ऐसी बात नहीं कही जानी चाहिए। लेकिन सवाल है कि जब आयोग को खुद अपनी इज्जत का ख्याल नहीं है तो दूसरा कोई क्या कर सकता है? विपक्ष कह रहा है कि मतदान की वीडियो फुटेज जारी की जाए तो आयोग ऐसे बेसिरपैर के तर्क देता है कि दूसरे की मां, बहनों, बेटियों की फुटेज क्यों जारी करें। सोचें, यह क्या तर्क है? विपक्ष फर्जी वोट जोड़े जाने के आरोप लगाता है तो विपक्ष से कहा जाता है कि हलफनामे के साथ सबूत दो। विपक्ष कंप्यूटर से पढ़े जा सकने लायक मतदाता सूची यानी मतदाता सूची की सॉफ्ट कॉपी मांगता है तो आयोग कहता है कि नहीं देंगे। इसके बाद भी आयोग को फुल इज्जत चाहिए!

भारत-जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच 'दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदीरी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे।

आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफवार से बने शून्य की भरपाई की जा सके।

निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफलगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना 'संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है। जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन् 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफवार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी। हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक 'पैसिव खिलाड़ी' से 'ग्लोबल लीडर' की भूमिका में लाने का अवसर है।

भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रूवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन की टकराहट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र को विश्व राजनीति का केंद्र बना दिया है। चीन की आक्रामक नीतियां, उसके विस्तारवादी रुख और आर्थिक दबदबे की कोशिशों ने भारत और जापान को स्वाभाविक रूप से निकट लाया है। भारत-जापान की साझेदारी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर 'क्वाड' को मजबूत करती है। यह केवल सुरक्षा गठबंधन नहीं बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र नौवहन, आतंकवाद से मुकाबला, और आपसी व्यापार-विकास का साझा दृष्टिकोण है। इससे चीन की एकध्रूवीय शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगता है।

अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और टैरिफ बाधाओं ने भारत-जापान को विकल्प खोजने पर मजबूर किया है। दोनों देश मिलकर 'चीन-प्लस-वन' रणनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, यानी चीन पर निर्भरता कम करके एशिया और अफ्रीका के नए बाजारों में निवेश और उत्पादन केंद्र बना सकते हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संतुलित होगी। जापान भारत में बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहा है। भारत की युवा कार्यशक्ति और जापान की तकनीकी दक्षता मिलकर नवाचार और टिकाऊ विकास का मॉडल पेश कर सकती है। यह मॉडल पश्चिमी पूंजीवाद और चीनी साम्यवादी अर्थशास्त्र से भिन्न होगा। दोनों देशों के बीच संबंध केवल रणनीति या व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि साझा मानवीय मूल्यों से नैतिक गहराई प्रदान करने का आधार भी है। यह मित्रता 'सॉफ्ट पावर' के रूप में भी वैश्विक शांति को आधार देगी। यह न तो किसी आक्रामक गठबंधन का रूप है और न ही केवल आर्थिक लाभ का गणित। बल्कि यह लोकतंत्र, शांति, प्रौद्योगिकी और मानवता पर आधारित एक नए वैश्विक युग की नींव है। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि मोदी की दो दिवसीय यह यात्रा न सिर्फ भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई देने का मौका होगी बल्कि एशियाई कूटनीति में भारत की भूमिका को और मज़बूत करेगी। भारत-जापान का नया दौर विश्व को दो संदेश देता है कि शक्ति का संतुलन केवल सैन्य बल से नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और नैतिक मूल्यों से बनेगा। एशिया का भविष्य भारत और जापान की साझेदारी से निर्धारित होगा, जो दुनिया को स्थिरता और संतुलन की दिशा देगा।

पुराना नारा नए मौसम के लिए चमका दिया

श्रुति व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में हर साल भारत को एक नए सवेरे का वादा मिला है! हर वर्ष का हिसाब यदि लगाए तो प्रति वर्ष नई थीम पर एक नारा, एक प्रण और शुरू एक काउंटडाउन। मतलब कल हमेशा नए नाम से, नई पैकेजिंग में लौट आता है! मानो पूरा देश एक स्थायी वेटिंग रूम में नए वादों की स्थाई इंतजारी की नियति लिए हुए हो। और ऐसा इस स्वतंत्रता दिवस पर भी हुआ। पुराना नारा नए मौसम के लिए चमका दिया गया—पुरानी शराब, नई बोतल। और सोमवार तक उसके पैकेज को सरकार ने बाकायदा और महत्वाकांक्षी, और तात्कालिक तथा लुभावना बना दिया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नए नए जुमले के साथ नया अध्याय खोला—100 दिन का ट्रांसफॉर्मेशन एजेंडा, और यह भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की तेज़ रफ़्तार यात्रा का कथित रोडमैप है। प्रधानमंत्री के लालक़िले के संकल्पों पर आधारित यह योजना पंच प्राणों का सहारा लेती है—एकता, कर्तव्य, धरोहर और औपनिवेशिक मानसिकता का त्याग। उन्होंने कहा कि हर नागरिक, इस सामूहिक सफ़र का हिस्सेदार बनेगा। लेकिन यह सब सुनना अजीब तरह से क्या पहले जैसा ही कुछ नहीं है? वही अनुभव कि अगली पंद्रह अगस्त तक के लिए नया झूनझूना!

अब सबकों अनुभव है कि प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति डिलीवरी पर नहीं बल्कि लोगों की इंतज़ारी को आगे बढ़ाती हुई होती है। अब तो इंतजार का 1947 तक का समय तय हुआ है। 'मेक इन इंडिया' से 'डिजिटल इंडिया', आत्मनिर्भर भारत से अमृत काल तक—हर नारा वर्तमान को भूमिका बना देता है और असली वादा उस क्षितिज पर धकेल देता है, जो हमेशा सालो साल दूर खिसकता जाता है। कल की राजनीति देश की गति, रफ्तार का आयाम बनता है, पर अभी तक जो हुआ है, आज का हिसाब नहीं करती। यही कारण है कि 100 दिन का एजेंडा एक नई शुरुआत से ज्यादा एक दोहराई हुई स्क्रिप्ट लगती है। भारत यह धुन पहले भी सुन चुका है—परिवर्तन, तेज़ रफ़्तार, नियति। अगर अब हम दौड़ने का संकल्प ले रहे हैं, तो पिछले ग्यारह साल क्या कर रहे थे? अगर 2047 मंज़िल है, तो हम अभी भी एजेंडे, घोषणा की बाते ही क्यों करते हुए है? क्यों शुरुआती लाइन पर खड़े हैं?

यह याद रखने लायक है कि भारत ने पहले भी एक ऐसे दौर को जिया है जब विज़न गढ़े जाते थे। आज़ादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्टील कारखानों, वैज्ञानिक संस्थानों और बाँधों को आधुनिक भारत के मंदिर कहा था। तब यह केवल कथा थी, दृष्टि का छलावा। पर समय बीतने के साथ प्रतीक ढाँचे बने—ईंट-पत्थर में जमी महत्वाकांक्षाएँ। प्रगति के अमूर्त विचार को आकार मिलने लगा। फ़ैक्टरी फ्लोर पर चला जा सकता था, बाँध की दीवारें उठते देखी जा सकती थीं, आईआईटी परिसर में दाख़िला लिया जा सकता था। यह उस भविष्य के ठोस प्रमाण थे जो बन रहा था।

अब ढर्रा बदल गया है। अब अमूर्त विकसित भारत है। मोदी सरकार की कल की राजनीति याकि 2047 की बाते, झांकी अलग तरह की है। उनके नारे—मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अमृत काल—ठोस नींव, ठोस इमारत, ठोस निर्यात व्यापार, ठोस कल-कारखानों में नहीं बल्कि जुमलों, भावनाएँ और वादे, संकल्प लिए हुए हैं। अब योजना-काम- परिणाम की पंचवर्षीय योजनाएं नहीं है बल्कि इंतज़ार और काउंटडाउन की कोरियोग्राफ़ी पर पनपते हैं, जहां भविष्य हमेशा सुनहरा होता लगेगा लेकिन हमेशा टलता हुआ और टाइमलाईन बढ़ाता हुआ। जबकि नेहरू ने कम-से-कम संस्थान बनाए, वे कारखाने-बांध खड़े किए थे जिन्हें मापा जा सकता था। वही प्रधानमंत्री मोदी लगातार कहानी-कथाएँ सुनाते है जिन्हे बार-बार दोहराते हुए भी यह नहीं लगता है कि वे थक रहे हो या लोग सुनते-सुनते थक गए हो।

मैदान की नायिकाएँ: ओलंपिक में भारतीय महिला खिलाड़ियों का उदय

डॉ शिवानी कटारा

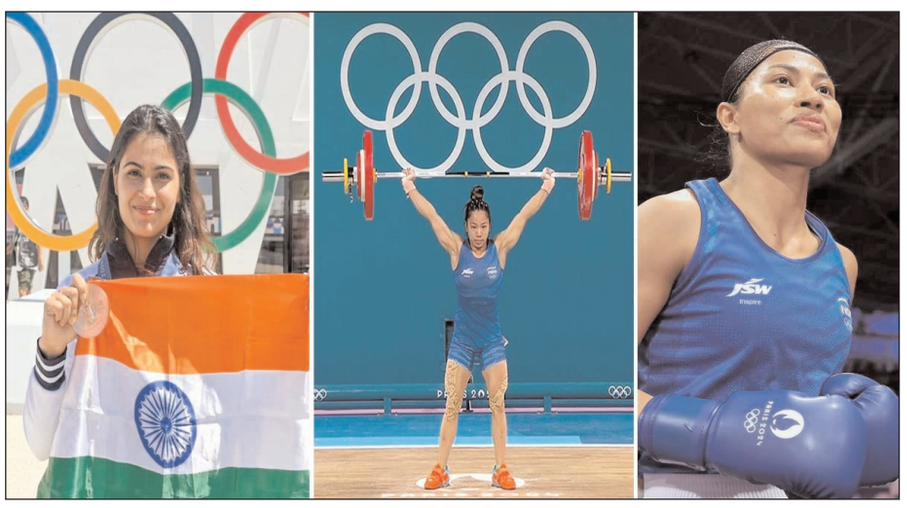

भारतीय खेल इतिहास लंबे समय तक पुरुष प्रधान रहा, लेकिन बीते कुछ दशकों में महिलाओं ने जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वह अभूतपूर्व है। कभी खेलों में महिलाओं की भागीदारी सीमित और हाशिए पर थी, परंतु आज भारतीय बेटियाँ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश का परचम लहरा रही हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों का ओलंपिक प्रतिनिधित्व निरंतर बढ़ता गया है। 2000 में नगण्य उपस्थिति से शुरू होकर यह आँकड़ा आज 40ङ्क44त्न तक पहुँच चुका है। यह बदलाव केवल खेलों का नहीं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण और बदलती सोच का भी प्रतीक है। कहा जाता है—भर्तृभक्त्या स्त्रिय: श्रेयो लभन्ते लोकसम्मतम्। अर्थात् स्त्रियाँ अपनी निष्ठा और कर्म से लोक में श्रेष्ठ यश प्राप्त करती हैं।

1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में मैरी डिसूजा ने भारत का प्रतिनिधित्व कर इतिहास रचा। वे पहली भारतीय महिला एथलीट थीं जिन्होंने ओलंपिक मंच पर कदम रखा। उस समय न पर्याप्त प्रशिक्षण सुविधाएँ थीं, न ही समाज से उन्हें व्यापक स्वीकृति मिलती थी। धीरे-धीरे समय बदला और 1980 के दशक में पी.टी. ऊषा भारतीय खेलों का बड़ा नाम बनीं। ट्रैक क्वीन कही जाने वाली ऊषा ने 1984 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में 400 मीटर हर्डल्स में चौथा स्थान पाकर इतिहास रचा। पदक से कुछ सेकंड दूर रह जाने पर भी उन्होंने दिखाया कि भारतीय महिलाएँ ट्रैक पर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। उनकी उपलब्धि ने असंख्य बेटियों को खेलों की ओर प्रेरित किया। इसके बाद खेलों में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ती गई।

2000 के दशक में कर्णम मल्लेश्वरी ने सिडनी ओलंपिक में वेटलिफ्टिंग का कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। वे भारत की पहली महिला बनीं जिन्होंने ओलंपिक में पदक हासिल किया। इस उपलब्धि ने महिलाओं की खेल यात्रा में नया साहस और आत्मविश्वास भर दिया। 2010 के बाद भारतीय महिला खिलाड़ियों का स्वर्णिम दौर शुरू हुआ। 2012 लंदन ओलंपिक में साइना नेहवाल ने बैडमिंटन में कांस्य जीतकर खेल को घर-घर पहुँचाया। उसी वर्ष मणिपुर की मैरी कॉम ने मुक्केबाजी में कांस्य पदक जीतकर साबित किया कि साधारण पृष्ठभूमि, माँ और पत्नी होने की जिम्मेदारियों के बावजूद विश्वस्तरीय खिलाड़ी बन सकती हैं। उनका संघर्ष प्रेरणादायक कथा है—साधारण परिवार से निकलकर पाँच बार की विश्व चैंपियन बनीं और राज्यसभा सांसद के रूप में भी सभी को प्रेरणा देती रहीं। 2016 रियो ओलंपिक में भारतीय महिलाओं ने देश की उम्मीदों को संभाला। पी.वी. सिंधु ने बैडमिंटन में रजत पदक जीता और साक्षी मलिक ने कुश्ती में कांस्य पदक। दीपा कर्माकर ने जिम्नास्टिक में प्रोडुनोवा जैसे कठिन वॉल्ट को सफलतापूर्वक कर देश को रोमांचित किया। यहीं से यह धारणा और गहरी हो गई कि महिलाएँ अब हर खेल में समान रूप से आगे बढ़ सकती हैं।

2020 टोक्यो ओलंपिक (2021) में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग में रजत पदक जीता, लवलीना बोरगोहेन ने मुक्केबाजी में कांस्य पदक हासिल किया और पी.वी. सिंधु ने लगातार दूसरी बार पदक जीतकर इतिहास रचा। इन उपलब्धियों का प्रभाव पदकों से कहीं आगे बढ़ा। अब ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियाँ, जहाँ खेलना कभी असंभव माना जाता था, मैरी कॉम, साक्षी मलिक और मीराबाई चानू को देखकर आगे बढ़ रही हैं। हरियाणा जैसे राज्यों के छोटे गाँवों से निकलकर बेटियाँ अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुँच रही हैं, वहीं कभी बेटियों के जन्म पर खुशी तक नहीं मनाई जाती थी। भारतीय महिलाओं का खेल सफर सशक्तिकरण की जीवंत गाथा है।

बदलते समाज में परिवार बेटियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। स्कूल-कॉलेजों में सुविधाएँ बढ़ी हैं और सरकार खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों से महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है। इस यात्रा से यह सिद्ध होता है कि वास्तविक बदलाव सिर्फ पदकों से नहीं, बल्कि उन संघर्षों से उपजता है जिन्हें खिलाड़ी अपने पीछे प्रेरक उदाहरण के रूप में समाज के लिए छोड़ जाती हैं। पी.टी. ऊषा की दौड़, कर्णम मल्लेश्वरी का ऐतिहासिक पदक, मैरी कॉम की जुझारू लड़ाई, सिंधु का आत्मविश्वास और मीराबाई का साहस—ये सब मिलकर भारतीय महिलाओं की बदलती स्थिति की कथा कहते हैं। जैसा कि मैरी कॉम ने कहा है—कभी हार मत मानो, क्योंकि जब तुम हार मानते हो, तभी तुम्हारी असली हार होती है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी केवल पदक नहीं जीत रहीं, बल्कि रूढ़ियाँ तोड़कर बेटियों को प्रेरित कर रही हैं और यह संदेश दे रही हैं कि खेल जीवन की सबसे बड़ी शिक्षा है—संघर्ष, अनुशासन और आत्मविश्वास। आने वाले समय में जब इतिहास लिखा जाएगा तो यह कहा जाएगा कि इक्कीसवीं सदी में भारतीय महिलाओं ने खेलों के दिशा और स्वरूप को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया।

लंबे और खूबसूरत नाखूनों की है चाहत

तो इन घरेलू उपायों से पाएं स्ट्रॉन्ग

शायद ही कोई ऐसा हो, जो खूबसूरत दिखना नहीं चाहता। इन दिनों लड़का हो या लड़की हर कोई अपनी खूबसूरती का खास ख्याल रखता है। खासकर लड़कियां हर मौके पर परफेक्ट दिखने के लिए काफी मेहनत करती हैं। लेटेस्ट आउटफिट हो या ट्रेंडी हेयर स्टाइल परफेक्ट लुक की चाहत में लड़कियां जतन करती हैं। जिस तरह आप को खूबसूरत बनाने में आपका मेकअप आउटफिट और हेयर स्टाइल अहम भूमिका निभाता है, उसी तरह नाखून भी आपके हाथों की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं। लेकिन कई बार लंबे और मजबूत नाखून न होने की वजह से आपके हाथों की खूबसूरती कम होने लगती है। अगर आप भी इस वजह से अक्सर परेशान रहती हैं, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे आसान से घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप लंबे, मजबूत और खूबसूरत नाखून पा सकती हैं।

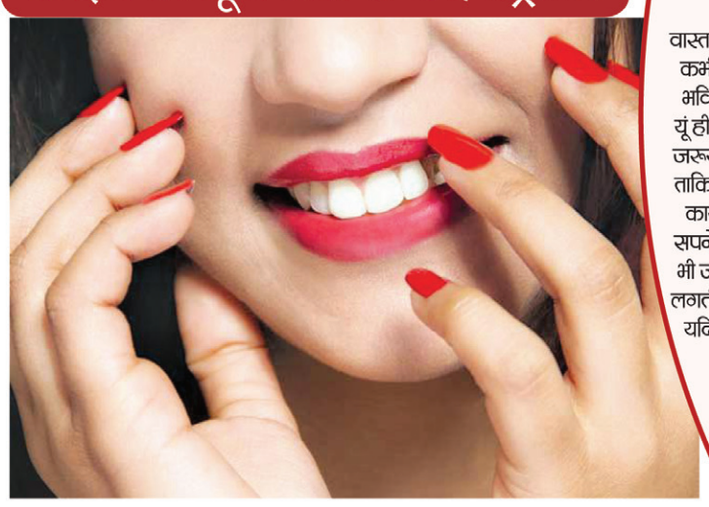

पेट्रोलियम जेली

हम सभी बचपन से पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। अक्सर फटे होठों और त्वचा के लिए इस्तेमाल में आने वाली

पेट्रोलियम जेली नाखूनों को मजबूत करने में भी काफी असरदार है। अपने नाखून को मजबूत करने और अच्छी ग्रोथ के लिए आप इस पर पैट्रोलियम जेली लगा सकते हैं। ऐसा करने से नाखून टूटने की समस्या कम होती है।

नींबू

खाने का स्वाद बढ़ाने वाला नींबू भी नाखूनों को मजबूत बनाने में मददगार है। मजबूत और लंबे नाखून पाने के लिए आप नींबू को इस पर रगड़ सकते हैं। हफ्ते में कम से कम 3 बार ऐसा करना फायदेमंद होगा। नींबू से नाखूनों की मसाज करने के बाद इसे गुनगुने पानी से साफ करें।

ऑलिव ऑयल

अगर आपके नाखून अक्सर टूट जाते हैं, तो उसके लिए आप ऑलिव ऑयल यानी जैतून के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें मौजूद विटामिन ई नाखूनों को पोषण देता है। ऑलिव ऑयल लगाने से न सिर्फ आपके नाखून मजबूत होंगे, बल्कि लंबे भी होंगे।

नारियल का तेल

बालों और त्वचा के लिए गुणकारी नारियल का तेल आपके नाखूनों के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है। रोजाना नारियल तेल से नाखूनों की मसाज करने से 1 हफ्ते में ही आपको नतीजे नजर आने लगेंगे। इसके इस्तेमाल से न सिर्फ आपके नाखून मजबूत होंगे, बल्कि इनमें चमक भी आएगी।

संतरे का रस

विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर संतरे का रस भी नाखून को मजबूत बनाने में कारगर है। इसके लिए एक बाउल में संतरे का रस लेकर उसमें अपने हाथों को 10 से 15 मिनट तक डुबोकर रखें। बाद में साफ पानी से हाथों को धो लें।

घर में लग गई है आग या खुद फंसे हों आग के बीच

ऐसे सपने देखने का क्या है मतलब

वास्तव में सपनों की दुनिया अलग ही होती है। सपने कभी भूतकाल की घटना का संकेत देते हैं तो कभी भविष्य की ओर इशारा करते हैं। दरअसल सपने यूं ही तो नहीं होते, ये बहुत कुछ कहते भी हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप उन सपनों के मतलब को समझें, ताकि समय रहते आप के साथ होने वाले अच्छे-बुरे कार्य की जानकारी हो सके। लोग बहुत तरह के सपने देखते हैं, उनमें कुछ याद रहते हैं तो कुछ भूल भी जाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सपने में आग लगती हुई देखी है। या आप आग के बीच में फंसे हो। यदि हां, तो जानते हैं इस तरह का सपना देखने का मतलब क्या होता है।

ऑफिस या दुकान में आग देखना

सपने में आग देखना सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की घटनाओं की ओर इशारा करती है। इसके लिए मायने ये रखता है कि आप सपने में आग लगने की घटना कहां होने की देख रहे हैं। बता दें कि, यदि आप सपने में अपनी दुकान या ऑफिस को जलता हुए देखते हैं तो ये आपकी तरक्की की ओर इशारा करती है। अगर आप बिजनेशमैन

हैं तो व्यापार में लाभ हो सकता है और यदि आप नौकरीपेशा हैं तो प्रमोशन या वेतन वृद्धि संभव है।

खुद को आग में फंसा देखना

सपने में यदि आप भयंकर आग को देखते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल इस तरह के मतलब का अर्थ है कि आपका मानसिक तनाव अब समाप्ति की ओर है। आपको विदेश यात्रा का योग बन सकता है। इसके अलावा यदि आप खुद को सपने में आग के बीच खुद को फंसा देखते हैं और खुद को बचा नहीं पा रहे हैं तो इसका अर्थ है कि आपके शरीर में पित्त की समस्या बढ़ सकती है। बेहतर है कि ऐसा सपना देखने पर चेकअप जरूर कराएं।

खुद को आग बुझाते देखना

सपने में आग बुझाते देखना जीवन में आने वाली नकारात्मक घटनाओं की ओर इशारा है। ऐसे में जरूरी है कि एहतियात के साथ काम लें। बता दें कि यदि आप इस तरह का सपना देखते हैं तो इसका मतलब है कि किसी के साथ आपके रिश्तों में खटास आ सकती है। इस तरह की स्थिति परिवार के सदस्यों के साथ भी हो सकती है। इसके लिए बेहतर है कि आप खुद पर संयम बनाकर रखें।

अपने घर में लगी आग देखना

सपने में यदि आप खुद के ही घर में आग लगी देखें तो चिंता करने के बजाह आपको खुश होने की जरूरत है। हालांकि इस तरह का सपना देखते ही कई लोग घबरा भी जाते हैं। बता दें कि, यदि आप सपने में अपने घर को जलता देखते हैं तो संकट दूर होने की ओर इशारा है। दरअसल इस तरह के संकेत का मतलब है कि जल्द ही आपके घर नन्हा मेहमान आने वाला है। यदि आप अविवाहित हैं तो मनपसंद जीवनसाथी की खोज पूर्ण हो सकती है।

बार-बार लगती है भूख तो हो जाएं अलर्ट

इन बीमारियों का हो सकता है खतरा

खाना एक ऐसी चीज है जो इंसान का मूड अच्छा कर देता है, शरीर को पोषक तत्वों की जरूरत होती है जो हमें खाने से मिलते हैं। भूख लगना एक आम बात है लेकिन कई लोगों को खाना खाने के बाद भी बार-बार भूख लगती है। अगर आपका भी खाना खाने के बाद कुछ न कुछ खाने का मन करता है तो आप सावधान हो जाइए। ज्यादा भूख लगना कई गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है। आइए जानते हैं ज्यादा भूख लगना किन बीमारियों का संकेत है।

डायबिटीज

ज्यादा भूख लगने की वजह डायबिटीज भी हो सकती है। डायबिटीज के मरीजों को खाना खाने के बाद भी भूख लगती है, दरअसल, ऐसा शरीर में पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन न बनने की वजह से होता है। डायबिटीज एक लाइलाज बीमारी है लेकिन समय रहते अगर पता चल जाए तो इसे डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव के साथ कंट्रोल किया जा सकता है।

डिप्रेशन

स्ट्रेस के कारण अक्सर लोग डिप्रेशन के शि;कार हो जाते हैं। स्ट्रेस या डिप्रेशन के कारण भी लोगों को ज्यादा भूख लगने लगती है, जिसके कारण वह ओवरईटिंग करते हैं। स्ट्रेस के कारण शरीर में कार्टिसोल हार्मोन बढ़ता है, जिसका असर हमारी भूख पर पड़ता है।

थायराइड

शरीर में थायराइड असंतुलित होने पर भी भूख ज्यादा लगती है। गले में तितलीनुमा एक ग्रंथि होती है जिससे थायराइड हार्मोन निकलता है, जब इस हार्मोन का संतुलन शरीर में बिगड़ने लगता है तो हाइपरथाइरायडिज़्म या हाइपोथायराइडिज्म होता है। थायराइड की समस्या में भूख लगने के साथ वजन बढ़ने लगता है और कुछ लोगों के चेहरे पर हल्के बाल भी दिखने लगते हैं।

पौधों को कितना पानी देना चाहिए?

कई लोगों को घर में पौधे लगाने का बहुत शौक होता है। इसके लिए वो तरह-तरह के कई पौधे घर में लगाते हैं। आजकल इनडोर प्लांटिंग का काफी प्रचलन है। शहरों में अधिकांश लोग घरों में पौधे लगाते हैं। घर में लगाए गए इन पौधों की देखभाल करना बेहद जरूरी होता है। समय-समय पर उन्हें पानी देना सबसे आवश्यक होता है। इनडोर पौधों को लेकर अधिकांश लोगों को ये जानकारी नहीं होती कि कितना पानी देना चाहिए।

अगर पौधों को कम पानी देंगे तो वो जल्दी सूख जाएंगे। वहीं, उन्हें अधिक पानी देंगे तो उनके सड़ने का खतरा बढ़ जाता है। पौधों को ज्यादा पानी देना भी नुकसानदेह होता है, इसलिए हमेशा जरूरत को समझते हुए ही पानी देना चाहिए। आइए आज हम आपको बताते हैं कि रोजाना या सप्ताह में इनडोर पौधों को कितना पानी देना चाहिए।

इनडोर पौधों को कितना पानी दें?

आपके घर में लगाए गए हर पौधे को पानी की अलग-अलग जरूरत होती है। किसी भी पौधे में पानी की समान मात्रा की जरूरत नहीं होती। जहां बड़े पत्ते वाले पौधों को ज्यादा पानी की जरूरत होती है छोटे पत्ते वाले अधिकांश पौधों को कम पानी चाहिए होता है। अगर किसी पौधे की पत्तियां मुरझाई हुई हैं तो ये समझ जाना चाहिए कि उन्हें पानी की जरूरत है। ऐसे में उन्हें तुरंत पानी दें। सप्ताह में कम से कम एक बार इनडोर पौधों की जांच जरुर करें। उन्हें देखें कि कहीं पत्तियां मुरझाई हुई तो नहीं है।

पौधों को पानी देने के लिए आप वाटरबैग का इस्तेमाल कर सकते हैं।हर एक से दो दिन में पौधों की नमी की जांच करते रहे। अगर उंगली मिट्टी में आसानी से जाए तो समझिए अभी पानी की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन अगर मिट्टी सूख रही हो तो पानी जरूर दें। पौधों के लिए बारिश का पाने सबसे अच्छा माना जाता है। बारिश के पानी से पौधे खिल उठते हैं। पौधों को हमेशा सुबह पानी देने का प्रयास करें।

भुट्टे का चीला

कॉर्न चीला यानी भुट्टे का चीला टेस्टी होने के साथ ही काफी हेल्दी भी होता है। थोड़ा भी बारिश का दौर चल निकले तो घरों में पकोड़ों और चीले बनना शुरू हो जाते हैं। आमतौर पर बेसन चीले ही बनाए जाते हैं, लेकिन इस बार आप चाहें तो बेसन चीले में थोड़ा सा ट्विस्ट देकर भुट्टे का चीला तैयार कर सकते हैं। कॉर्न चीला स्वाद में लावजाब होता है और इसे पसंद करने वालों की भी लंबी फेहरिस्त है। बारिश के मौसम में भुट्टे से कई तरह की डिशेस तैयार की जाती हैं, भुट्टे का चीला भी उनमें से एक डिश है जो आसानी से बनायी जा सकती है।भुट्टे का चीला फाइबर से भरपूर होता है जो कि डाइजेशन को बेहतर बनाने का भी काम करता है। कॉर्न चीला को बच्चों के टिफिन बॉक्स में भी रखा जा सकता है। आपने अगर कभी भुट्टे का चीला नहीं बनाया है तो हमारे बताए तरीके को फॉलो कर इसे आसानी से तैयार कर सकते हैं।

खाना खजाना

आवश्यक सामग्री

भुट्टे के दाने – 2 कटोरी, **प्याज** – 1, **बेसन** – 1 कटोरी, टमाटर – 1, **शिमला मिर्च** – 1, **पत्तागोभी बारीक कटी** – 1 कटोरी, **हरी मिर्च कटी** – 1 टी स्पून, **हरी धनिया पत्ती कटी** – 2 टेबलस्पून, **लहसुन-अदरक पेस्ट** – 1 टी स्पून, **लाल मिर्च पाउडर** – 1 टी स्पून, **जीरा** – 1 टी स्पून, **हल्दी** – 1 टी स्पून, **अजवाइन** – 1 टी स्पून, **गरम मसाला** – 1/2 टी स्पून, **तेल** – जरूरत के मुताबिक, **नमक** – स्वादानुसार

बनाने की विधि

भुट्टे का चीला बनाने के लिए सबसे पहले सॉफ्ट दानों वाला भुट्टा लें। अब भुट्टे से दानों को निकालें और उन्हें मिक्सर में डालकर दरदरा पीस लें। अब भुट्टे के इस पेस्ट को एक मिक्सिंग बाउल में निकाल लें और इसमें बेसन डालकर अच्छी तरह से मिला लें। इसके पत्तागोभी, प्याज, टमाटर और शिमला मिर्च को बारीक-बारीक काटें। कटी सब्जियां थोड़ी सी बचाकर बाकी सभी को कॉर्न-बेसन के मिश्रण में डालकर ठीक ढंग से मिला लें। अब मिश्रण में अदरक-लहसुन पेस्ट, गरम मसाला, जीरा, हल्दी, लाल मिर्च समेत सारे मसाले डालें और आखिर में स्वादानुसार नमक मिक्स कर दें। अब मिश्रण में थोड़ा सा पानी डालें और चीले का पेस्ट तैयार कर लें।

एक नॉनस्टिक तवा लें और उसे मीडियम आंच पर गर्म करें। तवा गर्म हो जाने के बाद इस पर थोड़ा सा तेल डालकर फैलाएं। अब एक कटोरी में चीले का पेस्ट लेकर तवे पर डालें और फैलाएं। कुछ देर बाद चीले के ऊपर कटी प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च के थोड़े से टुकड़े डालकर टॉपिंग करें। इसके बाद चीले को पलटते हुए दोनों ओर से हल्का सुनहरा होने तक सेकें। इसके बाद प्लेट में उतार लें। इसी तरह पेस्ट से सारे भुट्टे के चीले तैयार कर लें। भुट्टे के चीले नाश्ते में या दिन में कभी भी खाए जा सकते हैं।

जानें खजूर की चाय पीने के अनगिनत फायदे

अक्सर लोग की सुबह की शुरुआत एक कप चाय के साथ करते हैं। इसे पीने से शरीर को एनर्जी मिलती है। चाय के बिना तो कुछ लोगों की आंखें ही नहीं खुलती। वैसे तो आपने कई तरह की चाय पी होगी जैसे ब्लैक टी, ग्रीन टी, कारडेमम टी आदि। लेकिन आज आपको ऐसी चाय के बारे में बताने जा रहे हैं, जो टेस्ट के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। क्या आपने कभी खजूर की चाय पी हैं? जी हां, यह चाय सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे पीने से शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते है। तो, आइए जानते हैं खूजर की चाय पीने के फायदे।

जानें खजूर की चाय पीने के अनगिनत फायदे खजूर खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। खूजर की चाय पीने के अनेकों फायदे हैं । खजूर में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है। इसकी चाय पीने से बीपी कंट्रोल में रहता है, साथ ही दिल की बीमारी से भी बचाव होता है।

खजूर को लोग आर्टिफिशियल स्वीटनर के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। कुछ लोग चीनी खाने से परहेज करते हैं, इसकी जगह वह आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि एक शोध में इस बात खुलासा हुआ है कि आर्टिफिशियल स्वीटनर भी सेहत के लिए हानिकारक होते हैं। इसलिए इसकी जगह आप खजूर की चाय पी सकते हैं।

खजूर में काफी मात्रा में मैग्नीशियम भी पाया जाता है, जिससे इम्युनिटी मजबूत होती है। जिससे आप कई बीमारियों से बच सकते हैं।

खजूर में मैग्नीशियम, कॉपर, सेलेनियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां स्वस्थ रहती हैं।

पाचन के लिए भी खजूर की चाय काफी फायदेमंद होता है। इसमें फाइबर पाया जाता है, जिससे पेट संबंधित बीमारियां भी ठीक होने में मदद मिलती है।

खजूर की चाय पीने से डिप्रेशन का खतरा कम रहता है। इसे रोजाना पीने से नर्वस सिस्टम पर पॉजिटिव असर पड़ता है, जिससे डिप्रेशन का खतरा कम हो सकता है।

सरसों तेल के इस्तेमाल से पाएं डैंड्रफ से निजात

बारिश के सीजन में बाल से जुड़ी समस्याएं सबसे ज्यादा परेशान करती हैं। डैंड्रफ के चलते भी बाल तेजी से झड़ते हैं, तो सबसे पहले इनका इलाज करना जरूरी है। सरसों के तेल में कुछ खास चीज़ों को मिलाकर लगाने से रूसी तो दूर होगी ही साथ ही बाल तेजी से बढ़ते भी हैं।

1) दही के साथ सरसों तेल का इस्तेमाल

दही विटामिन सी और साइट्रिक एसिड से भरपूर होता है तो वहीं सरसों का तेल एंटीबैक्टीरियल से। जिस वजह से ये दोनों डैंड्रफ का सफाया करने में बेहद असरदार हैं। दोनों को एक साथ मिक्स करके स्कैल्प पर लगाएं और एक घंटे बाद शैंपू कर लें।

2) नींबू के साथ सरसों तेल का इस्तेमाल

इस नुस्खे में पहले आपको सरसों तेल को गर्म करना है। इसके बाद तेल को हल्का ठंडा हो जाने दें फिर उसमें लगभग 2 नींबू का रस मिलाएं। दोनों चीज़ों को मिक्स करके स्कैल्प के साथ पूरे बालों में लगा लें। नींबू के चलते इसे लगाने पर हल्की जलन और खुजली हो कती है। लेकिन डैंड्रफ दूर करने में फायदेमंद है ये नुस्खा।

3) एलोवेरा के साथ सरसों तेल एलोवेरा का इस्तेमाल

सरसों के तेल में एलोवेरा जेल मिलाएं। दोनों को अच्छे से मिलाकर स्कैल्प पर लगाएं। वैसे आप इस पैक को पूरे बालों पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे बालों की चमक और स्मूदनेस बढ़ती है। कम से कम एक घंटे इसे लगाकर रखें फिर शैंपू कर लें। एलोवेरा का एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण स्कैल्प इन्फेक्शन को दूर करने में कारगर है जिससे डैंड्रफ दूर होती है।

खाने के घंटों बाद भी पेट फूला रहता है तो रोजाना पिएं ये ड्रिंक

डाइजेशन की प्रॉब्लम काफी कॉमन है। कुछ लोग अनहेल्दी फूड्स खाकर डाइजेशन की समस्या से घिरे रहते हैं। वहीं बहुत सारे लोग बिना ज्यादा फ्राईड फूड या फिर स्पाइसी फूड खाए ही खराब पाचन से जूझते हैं। पाचन के खराब होने का कारण गट्स में गुड बैक्टीरिया की कमी है। जिसकी वजह से फूड ठीक से पच नहीं पाता और ब्लॉटिंग की समस्या परेशान करने लगती है। पेट फूलने की समस्या से लगभग हर दिन ही परेशान रहते हैं तो रोजाना इस ड्रिंक को पीने से फायदा होगा। जानें कैसे बनाएं ये खास ड्रिंक।

ब्लॉटिंग की समस्या को दूर करता है ये ड्रिंक

ब्लॉटिंग की समस्या को दूर करने के लिए इन चीजों को मिलाकर ड्रिंक तैयार करें। ये खाने को पचाने में हेल्प करेंगे। 1 इंच अदरक का टुकड़ा, एक चौथाई टुकड़ा नींबू, 1 चम्मच सौंफ, 1 इलायची, एक गिलास पानी में सौंफ, नींबू की पतली स्लाइस, छोटी हरी इलायची और अदरक के छोटे टुकड़े करके डालें। अब इन सबको अच्छी तरह से उबाल लें। जब तक कि पानी आधा ना हो जाए। बस इस ड्रिंक को खाली पेट रोजाना पिएं।

डाइजेशन को बना देगा आसान

अदरक कमजोर डाइजेशन प्रोसेस को तेज करने में हेल्प करता है। तो वहीं सौंफ खाने को पचाने में मदद करता है। जबकि नींबू का एसिडिक इफेक्ट खाने में मौजूद ऑयल और फैट को पचाने में हेल्प करता है। जिससे खाना खाने के बाद ब्लॉटिंग की समस्या परेशान नहीं करती।

कैसे पिएं ये ड्रिंक

रोजाना खाली पेट दिन की शुरुआत इस ड्रिंक से करने से कमजोर डाइजेशन को ठीक करने में हेल्प मिलती है और कब्ज की समस्या दूर होती है।

संक्षिप्त समाचार

बबिता जैन प्रोप्राईटर बबिता गारमेन्ट्स एवं दिनेश जैन के विरुद्ध चेक अनादरण के प्रकरण में 10 लाख एवं 5 लाख प्रतिकर सहित एक एक वर्ष का कारावास

दुर्ग। प्रथम श्रेणी न्यायालय द्वारा मेसर्स बबिता (गारमेन्ट) लेडिस वीयर के संचालक श्रीमती बबिता जैन एवं ध.प. दिनेश कुमार जैन एवं दिनेश कुमार जैन आ. शांतिलाल जैन को एक-एक वर्ष का कारावास एवं 10 लाख एवं 5 लाख का प्रतिकर भुगतान का आदेश दिया गया है।अधिवक्ता विनोद देवांगन से मिली जानकारी के अनुसार श्रीमती अंजलि सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथमश्रेणी द्वारा पृथक पृथक दो दाण्डिक परिवाद पत्र में आदेश दिनांक 25.082025 को आदेश पारित कर आरोपी बबिता जैन प्रोप्राईटर मेसर्स बबिता गारमेन्ट्स एवं दिनेश जैन के विरुद्ध चेक अनादरण के प्रकरण में 10 लाख एवं 5 लाख प्रतिकर आदेश प्रदान करते हुए एक एक वर्ष का कारावास तथा प्रतिकर की राशि समय सीमा में भुगतान ना करने की दशा पर 3-3 माह का कारावास भुगताने का आदेश दिया गया है । विदित हो कि परिवादी श्रीराम ईलेक्ट्रानिक्स को अभियुक्त बबिता गारमेन्ट ने 25.08.2014, 25.09.2014, 25.10.2014 एवं 25.11.2014 को 2-2 लाख के 4 चेक द्वारा 8 लाख का भुगतान लौटाया था परंतु चारो चेक को स्टाप पेमेन्ट करवा दिया था । साथ ही दिनेश कुमार जैन जो कि बबिता गारमेन्ट का ही संचालक रहे उन्होने 3 चेक 15.08.2014, 15.09.2014 एवं 15.10.2014 रु. 50-50 हजार के परिवादी श्रीराम ईलेक्ट्रॉनिक्स को भुगतान किया था परंतु तीनों चेक फण्ड ईनसफिसेन्ट होने के कारण वापस हो गया जिस पर श्रीराम ईलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक ने दोनो अभियुक्तों पर 16.10.2015 एवं 30.10.2015 को न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया जिसका निर्णय आज 10 वर्ष बाद न्यायालय श्रीमती अंजलि सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी दुर्ग (छ.ग.) द्वारा दिया गया । उक्त दोनों प्रकरण मे परिवादी श्रीराम ईलेक्ट्रॉनिक्स की और से वकील श्री विनोद देवांगन ने पैरवी की है । पूर्व मे साहिल जैन एवं बबिता जैन के द्वारा शहर के 5 व्यापारियों से लाखों का मोबाईल लेकर उसका भुगतान ना करने पर व्यापारियो द्वारा धारा 420 के अन्तर्गत वाद प्रस्तुत किया गया था जो कि न्यायालय मे वह प्रकरण अभी लम्बित है ।

एशिया वर्ल्ड स्पिरिट्स प्रतियोगिता 2025 में ज़िगज़ैग वोडका की बड़ी जीत

नई दिल्ली। भारतीय अल्को.बेव इंडस्ट्री के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। ज़िगज़ैग वोडका ने एशिया वर्ल्ड स्पिरिट्स प्रतियोगिता 2025 The Tasting Alliance द्वारा आयोजित में शानदार सफलता हासिल करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम लहराया। अपने लॉन्च के कुछ ही महीनों के भीतरए ज़िगज़ैग वोडका ने वैश्विक मंच पर चार मेडल जीतकर नया कीर्तिमान बनाया है। ब्रांड ने अपनी सभी वेरिएंट्स के लिए सम्मान प्राप्त किए- सिल्वर मेडलरू ओरिजिनलए ग्रीन एप्पल और ऑरेंज वोडका, ब्रॉन्ज मेडलरू लाइम वोडका छत्तीसगढ़ में निर्मित ज़िगज़ैग वोडका स्वदेशी उत्कृष्टता का प्रतीक है। अपने मुलायम और परिष्कृत स्वाद के साथ ज़िगज़ैग भारत के हृदय से शुद्धता और नवाचार के सार को प्रस्तुत करती है इस अवसर पर सिंबा बीयर और ज़िगज़ैग वोडका के सह.संस्थापक इश्वराज सिंह भाटिया ने कहाए श्यह भारतीय स्पिरिट्स इंडस्ट्री के लिए गर्व का क्षण है। ज़िगज़ैग आधिकारिक रूप से पहला भारतीय वोडका ब्रांड हैए जिसने अपने पूरे पोर्टफोलियो के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मान हासिल किया हैए वह भी लॉन्च के पहले ही वर्ष में। यह वैश्विक पहचान हमारे विज़न को और मजबूत बनाती हैकृभारत से एक बोल्ड और डिज़ाइन.लेड ब्रांडए जिसे दुनिया में मनाया जाए।

एशिया वर्ल्ड स्पिरिट्स प्रतियोगिता का मूल्यांकन दुनिया के शीर्ष विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। इस जीत ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय ब्रांड्स अब वैश्विक मंच पर बोल्ड फ्लेवर्स और नवाचार के साथ अपनी पहचान बना रहे हैं।

ज़िगज़ैग और सॉल्टबॉर्न के बारे में - ज़िगज़ैग वोडका उन युवाओं के लिए तैयार की गई है जो ज़िंदगी को रंगीन और नए अनुभवों के साथ जीते हैं। ओरिजिनल से लेकर लाइमए ऑरेंज और ग्रीन एप्पल तकए हर फ्लेवर जीवन की अनोखी और अप्रत्याशित यात्रा का प्रतीक है। ब्रांड का दर्शन है।

निधन: घट्टा सूर्य प्रकाश राव

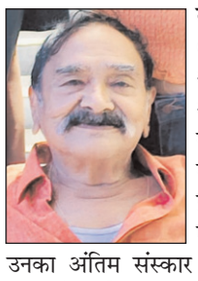

दुर्ग। घट्टा सूर्य प्रकाश राव (निवासी: स्ट्रीट-10, आदित्य नगर) का 28 अगस्त गुरुवार को निधन हो गया। वे घट्टा प्रभाकर राव, घट्टा मोहन राजू , घट्टा प्रवीण कुमार, राजकुमारी एवं प्रतिमा के पिता थे। उनका अंतिम संस्कार 30 अगस्त शनिवार को हरनाबांधा किया जाएगा।

हॉकी के जादूगर ध्यानचंद की जयंती पर खेल भावना का उत्सव, शहर में निकली भव्य रैली

राजनांदगांव। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, राजनांदगांव से लेकर गौरव पथ स्थित मेजर ध्यानचंद स्मारक तक खेल प्रेम का अद्भुत नजारा देखने को मिला। जिले के विभिन्न खेल संघों व हॉकी संघ के संयुक्त तत्वावधान में मेजर ध्यानचंद जयंती को खेल दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया।

सुबह 7.30 बजे अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम से खिलाड़ियों की रैली निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई मेजर ध्यानचंद स्मारक पहुंची। यहां हॉकी सम्राट मेजर ध्यानचंद, ओलंपियन एरमन आर. बेस्टियन और आर.एन. पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि के बाद रैली पुन: स्टेडियम पहुंची, जहां संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद संतोष पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद ने भारतीय हॉकी को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाकर भारत को गौरवान्वित किया। 570 से अधिक गोल करने वाले ध्यानचंद को उनके अद्भुत खेल कौशल के चलते पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

सांसद ने यह भी घोषणा की कि जल्द ही सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का और बड़ा मंच मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि युवा खिलाड़ी ध्यानचंद को अपना आदर्श मानें और खेल में अनुशासन व लक्ष्य के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने जिला हॉकी संघ की सराहना करते हुए कहा कि संघ लगातार खिलाड़ियों को मंच प्रदान कर रहा है।

छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने मेजर ध्यानचंद के 1971 में राजनांदगांव आगमन की यादें साझा करते हुए बताया कि तब उन्होंने शहर की हर गली में हॉकी खेलते बच्चों को देखकर हॉकी की नर्सरी की उपाधि दी थी।

हर गली हर मैदान खेले सारा हिंदुस्तान और मोर खेल मोर गौरव अभियान के तहत तीन दिवसीय खेल कार्यक्रम की शुरुआत हुई। पहले दिन तीन हॉकी मुकाबले खेले गए। सीनियर मॉर्निंग ग्रुप ने डीएचए सीनियर वर्ग को 3-2 से हराया। डीएचए राजनांदगांव ने खेलो इंडिया सेंटर को 4-1 से मात दी। वहीं साई सेंटर राजनांदगांव ने खेलो इंडिया राजनांदगांव को 3-1 से हराया।

विजेता और उपविजेता टीमों को सांसद संतोष पांडेय ने पुरस्कृत किया। साथ ही एशिया कप प्रो लीग में प्रतिनिधित्व करने वाले लुमेन्द्र साहू और राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी खुशाल यादव का सम्मान भी किया गया।

इस अवसर पर आईटीबीपी कमांडेंट मनोज भागुन, व्हॉलीबॉल खिलाड़ी रेखा पदम, अंतराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी परमजीत सिंह, बास्केटबॉल खिलाड़ी लुमेन्द्र साहू समेत अनेक खेल हस्तियां व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ए. एक्का (सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण), विजय कुमार (आईटीबीपी), शिवनारायण धकेता (सचिव जिला हॉकी संघ), हॉकी कोच भूषण साव, प्रियंका ई. (बास्केटबॉल कोच), कोषाध्यक्ष आशा थॉमस सहित अनेक खेलप्रेमी, पार्षद और खेल संघ के सदस्य कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व्यायाम शिक्षक शैलेन्द्र तिवारी ने किया जबकि आभार प्रदर्शन दिव्या धरावत (कोच, साई सेंटर) ने किया।

ईद मिलादुन्नबी पर शराब दुकानें बंद रखने की मांग, कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

राजनांदगांव। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर जिले में ड्राई डे घोषित करने की मांग को लेकर मुस्लिम तेली युवा संगठन ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार 5 सितंबर को पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस के अवसर पर जिले भर की सभी शराब दुकानों को बंद रखने की मांग की है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि ईद मिलादुन्नबी का पर्व पूरी धार्मिक श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। इस दिन शहर सहित जिलेभर में जुलूस निकाले जाते हैं और विभिन्न आयोजन होते हैं। ऐसे में समाज की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए शराब दुकानों को बंद रखा जाना आवश्यक है। ज्ञापन सौंपने वालों में अध्यक्ष जुनैद बड़गुजर, आफताब अहमद, जावेद गोरी, सद्दाम हुसैन गोरी, मैनू झाड़ूदिया, समीर खान, शेख मिनाज, नदीम बड़गुजर, मुशर्रफ जोया, इब्राहिम झाड़ूदिया, करीम बड़गुजर, अयाज सोलंकी, गुलाम बड़गुजर समेत अन्य लोग शामिल थे। संगठन ने प्रशासन से अपील की है कि धार्मिक सौहार्द और शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं।

जिले के सहकारी समितियों में पर्याप्त उर्वरक भण्डारण, किसान आवश्यकतानुसार समिति से प्राप्त कर सकते हैं उर्वरक

बलौदाबाजार-भाटापारा (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिले में संचालित समस्त सहकारी समितियों में पर्याप्त उर्वरक भण्डारण सुनिश्चित किया गया है जिससे खरीफ अंतर्गत बोये गए फसल प्रभावित न हो तथा आवश्यकता अनुसार उर्वरक उपलब्ध हो सके। उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक ने बताया कि जिले के सहकारी समितियों में खरीफ वर्ष 2025 हेतु यूरिया 27000, डीएपी 5000, एमओपी 2323, एसएसपी 8051 तथा एनपीके 15765 कुल 58136 मे.टन मांग के विरुद्ध, यूरिया 27680, डीएपी 9777, एमओपी 2689, एसएसपी 7408 तथा एनपीके 7662 कुल 55215 मे.टन भण्डारण किया जा चुका है तथा वर्तमान में समितियों में यूरिया 2080, डीएपी 1289, एमओपी 203, एसएसपी 842 तथा एनपीके 351 कुल 4765 मे.टन उर्वरक शेष है। जिले के डबल लाक केन्द्रों में वर्तमान में 1790 मे टन उर्वरक उपलब्ध है जिसे मांग अनुसार लगातार सहकारी समितियों में भंडारित किया जा रहा है। भाटापारा रेक पॉइंट से जिले को 400 मे टन यूरिया प्राप्त हुआ है जिसे विभिन्न विकासखंडो में मांग अनुरूप भंडारित कराया जा रहा है। आगामी सप्ताह में भाटापारा रेक पॉइंट मे पुन: उर्वरक रेक लगने की सुचना प्राप्त हुई है जिसे तत्काल मांग अनुसार समितियों में भंडारित कराया जाएगा। कृषको को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु कृषि विभाग, सहकारिता विभाग तथा जिला विपणन अधिकारी द्वारा नियमित रूप से मांग की समीक्षा की जा रही है तथा आवश्कता अनुसार सम्बंधित समिति में समय पर भंडारण कराया जा रहा है। सहकारी समितियों में नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी का भी भण्डारण कराया गया जिसे कृषक वर्तमान समय में उपयोग कर सकते है।

हिंदू जागरण मंच की कार्यकारिणी का विस्तार

राजनांदगांव। हिंदू जागरण मंच की जिला बैठक महेश्वरी भवन रामाधीन मार्ग में संपन्न हुई, जिसमें हिंदू समाज को जागरण करने हेतु बहुत सारे विषयों पर चर्चा हुई और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई। प्रत्येक विकासखंड मंडल एवं बस्तियों में जाकर सभी समाजों की बैठक लेना और हिंदू समाज को जागृत करना, ताकि हमारी बेटियां लव जिहाद का शिकार न बन सके। सामाजिक सद्भाव बना रहे, हिंदू समाज जागृत रहे।

हमारे किसी भी हिंदू भाई को कोई तकलीफआती है, तो मोहल्ले स्तर पर ही सब एक होकर समस्या को हल करने की कोशिश करें, सभी हिंदू आपस में भाई है यह भावना प्रत्येक हिंदू के मन में जागना है और अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई, ताकि हिंदू समाज सुरक्षित भी रह सके। कुछ नवीन दायित्व की घोषणा हुई। राजनांदगांव जिले के प्रभारी श्रीराम बिहारी मिश्रा की सहमति से। महिला आयाम की जिला प्रमुख मौसमी शर्मा को बनाया गया। साथ में कार्यकारिणी मीना पांडे, ममता शर्मा, ममता सोनी, सुधा पवार, महिला आयाम की नगर प्रमुख संगीता शुक्ला को बनाया गया। साथ में नगर कार्यकारिणी कमलेश्वरी साहू, प्रतिभा साहू, जमुना साहू, रंजना शर्मा को बनाया गया। राजनांदगांव विकासखंड संयोजक ऋषभ मल को बनाया गया। राजनांदगांव जिला सक्षम केंद्र प्रभारी देवेश वैष्णव को बनाया गया। बैठक में प्रमुख रूप से सुशील लड्डा, प्रवीण शर्मा, दिनेश झुलन, हरीश भानुशाली, गोविंद साहू, रोहित शर्मा, हेमलाल ढीमर, प्रभात गुप्ता, विष्णु सिन्हा, महेंद्र जंघेल, मनोज गोलछा, गोविंद जोशी, संपत साहू, आशीष पांडे, रोहित पटनायक, सुनील जायसवाल, संजय मिश्रा, संतोष दूरहाटे, राज सोनकर, इंद्रेश देवांगन, राम तंबोली, विनोद खाती, विजय साहू, संदीप कुमार साहू, रूपचंद सोनी, सुनील जायसवाल, रोहित सिन्हा, रोहित तिवारी, मुकेश सोनी, राजू साहब, आशीष गांधी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता हिंदू जागरण मंच के उपस्थित थे।

5 सितम्बर को शिक्षक -शिक्षिकाएं होंगे सम्मानित

साजा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण 2025-2026 के अंतर्गत जिला स्तर पर ज्ञानदीप पुरुस्कार एवं विकासखण्ड स्तर पर शिक्षा दूत पुरुस्कार हेतु चयन साजा ब्लॉक में कार्यरत ज्ञानदीप पुरुस्कार हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर शिक्षक प्रतीक जैन एलबी शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रानो, शिक्षा दूत हेतु ब्लॉक स्तर पर सहायक शिक्षिका ममता गायकवाड़ एलबी शासकीय प्राथमिक शाला अकलवारा, प्रधानपाठक कन्हैया लहरे शासकीय प्राथमिक शाला बरगा ,मनीराम साहू एलबी शासकीय प्राथमिक शाला बीजा का चयन हुआ है । विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी व विकासखण्ड स्रोत समन्वयक साजा ने उक्त शिक्षकों के कार्यो की सराहना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में किये गए नवाचारी कार्य,ऑनलाइन क्लास,टीएलएम निर्माण, कला एवं साहित्य कार्य कराना जैसे कार्यो को लेकर बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित किया । साथ ही छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन ब्लॉक इकाई साजा द्वारा उक्त शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाये देते हुए उज्वल भविष्य की कामना किया गया 7

संवेदनशीलता के साथ करें राजस्व प्रकरणों का निराकरण - कलेक्टर

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

बलौदाबाजार-भाटापारा (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक सोने ने शुक्रवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित राजस्व प्रकरणों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व विभाग को प्रशासन की रीढ बताते हुए मजबूती के साथ कार्य निष्पादन करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरण अत्यधिक संवेदनशील होते है,उनका निराकरण उसी संवेदनशीलता के साथ करें। अब लोगों में जागरूकता बढ़ी है जिससे प्रशासन से उनकी अपेक्षाएं भी बढ़ने लगा है। सभी राजस्व आमला कार्यालय एवं फिल्ड में मुस्तैदी से कार्य करें। कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी राजस्व अधिकारी सतर्कता बरतें। सूचना तंत्र मजबूत रखें। उन्होंने राजस्व न्यायलय के एक वर्ष से कम समय तक लंबित प्रकरणों को 31 अक्टूबर तक निराकरण के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने एग्रीस्टेक में किसानों के पंजीयन की समीक्षा करते हुए पंजीयन हेतु शेष करीब 19 हजार किसानों का पंजीयन शीघ्र कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पटवारियों के पास समितिवार पंजीकृत किसानों की सूची उपलब्ध है। सूची में एग्रीस्टेक में पंजीयन के लिए शेष किसानों का चिन्हांकन कर तहसीलदार दास्तावेज में आवश्यक सुधार करें। उन्होंने बताया कि दिसम्बर 2023 के बाद नामांतरण, एक से अधिक स्थान पर जमीन जैसे कुछ मामलों में एग्रीस्टेक में किसानों का पंजीयन नहीं हो रहा है जिस पर राज्य कार्यालय के निर्देशानुसासर आगे कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने एग्रीस्टेक में पंजीयन पूर्णता हेतु समिति प्रबंधक, पटवारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से प्रमाण पत्र लेने के भी निर्देश दिये। डिजिटल क्रॉप सर्वे की समीक्षा करते हुए कहा कि शुद्धता के साथ सर्वे किया जाए। तहसीलदार कड़ी निगरानी रखें। अब तक 283931 खसरे का सर्वे पूरा कर लिया गया है। डिजिटल क्रॉप सर्वे हेतु कुल 1669 सर्वेयर काम कर रहे हैं।उन्होने सर्वे में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सर्वेयर को पुरस्कृत करने कहा। उन्होंने स्वामित्व योजना अंतर्गत 31 अक्टूबर 2025 तक 7000 कार्ड तैयार करने के निर्देश दिये।अब तक 7 हजार भू स्वामियों के स्वामित्व कार्ड बनाए गये है। लगभग 160 गांव का अंतिम प्रकशन हुआ है।बैठक में भू अर्जन, राजस्व वसूली, त्रुटि सुधार, अभिलेख शुद्धता, आर बी सी 6-4 आदि से सम्बधित लंबित आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर अवध राम टंडन सहित सभी एस डीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं रीडर उपस्थित थे।

खबर-खास

अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने डॉ. सिद्धार्थ तुरकर को नियुक्त किया, स्थानीय देखभाल में वैश्विक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञता लायी

नवी मुंबई : अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने अपनी व्यापक कैंसर देखभाल सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सिद्धार्थ तुरकर को बतौर कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी नियुक्त किया है। अपने दो दशकों से भी अधिक समय के अनुभव में डॉ तुरकर ने टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में भी काम किया है। डॉ. तुरकर सॉलिड ऑर्गन ट्यूमर के प्रबंधन, अग्रणी इम्यूनोथेरेपी प्रोटोकॉल और सबूतों पर आधारित, व्यक्तिगत उपचार योजनाओं को संचालित करने में गहरी विशेषज्ञता रखते हैं। अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने उनको नियुक्त करके पश्चिमी भारत में अत्याधुनिक, रोगी-केंद्रित ऑन्कोलॉजी देखभाल प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता में एक रणनीतिक कदम उठाया है। प्रतिष्ठित टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (डीएम - मेडिकल ऑन्कोलॉजी) से ग्रेजुएट, डॉ तुरकर ने पहले एमएमआई नारायण सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल और रायपुर के बाल्को मेडिकल सेंटर जैसे शीर्ष संस्थानों में ऑन्कोलॉजी सेवाओं का नेतृत्व किया है। उन्होंने बाल्को मेडिकल सेंटर में डीएनबी मेडिकल ऑन्कोलॉजी कार्यक्रम शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अगली पीढ़ी के कैंसर विशेषज्ञों को मार्गदर्शन दिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षित और यूरोपियन सोसाइटी फॉर मेडिकल ऑन्कोलॉजी (श्वस्स्न्ह) और यूरोपियन हेमेटोलॉजी एसोसिएशन (श्व॥) द्वारा प्रमाणित, डॉ. तुरकर के लिए इम्यूनोथेरेपी, टार्गेटेड थेरपी, पैलिएटिव ऑन्कोलॉजी और सीमित संसाधन सेटिंग्स में क्लिनिकल प्रोटोकॉल विकास रूचि के क्षेत्र हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में उनका चल रहा कार्यकारी प्रशिक्षण, आईआईएम रायपुर और आईआईएम बैंगलोर से लीडरशिप प्रमाणपत्र मेडिसिन और प्रबंधन दोनों में उत्कृष्टता के लिए उनके निरंतर प्रयासों को दर्शाते हैं। कई सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशनों, राष्ट्रीय प्रस्तुतियों और संपादकीय योगदानों के साथ एक सक्रिय शोधकर्ता, डॉ. तुरकर को उनके सबूतों पर आधारित दृष्टिकोण और मरीज़ों के प्रति सहानुभूति के लिए भारत में ऑन्कोलॉजी सर्कल्स में व्यापक रूप से सम्मानित किया जाता है। छत्तीसगढ़ में उल्लेखनीय कार्य के लिए, हाल ही में उन्हें माई हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड 2024, चिकित्सक सम्मान और सार्वजनिक कैंसर देखभाल में प्रभावशाली योगदान के लिए एमिनेंस अवार्ड जैसे सम्मानों से गौरवान्वित किया गया है।
फोटो 1

जिले में तंबाकू नियंत्रण पाने बीस लोगों के विरूद्ध की कार्रवाई

कवर्धा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिला कबीरधाम में सोमवार को कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.के. तूरे एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती अनुपमा तिवारी के मार्गदर्शन में कोटपा 2003 के नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। यह कार्यवाही विकासखंड सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम चारभाटा एवं गोछिया में की गई, जहाँ पान दुकानों, थोक किराना स्टोर्स सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान कोटपा 2003 की धारा 4 और 6 के उल्लंघन पाए जाने पर कुल लोगों के विरूद्ध चालान काटे गए। अधिकारियों ने कार्रवाई के साथ ही ग्रामीणों एवं दुकानदारों को सिगरेट और तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी भी दी। कोटपा के नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई। मौके पर लिखित पम्पलेट्स का वितरण कर लोगों को जागरूक किया गया कि तंबाकू सेवन न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है बल्कि यह कानूनन भी दंडनीय अपराध है। अभियान के दौरान ग्राम गोछिया के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विशेष स्कूल जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ भविष्य की दिशा में सजग रहने का संदेश दिया गया। इस अभियान का नेतृत्व औषधि निरीक्षक जितेंद्र पाटीदार एवं जिला नोडल अधिकारी (एनटीसीपी) डॉ. रोशनी पटेल ने किया। अभियान में पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल रहे। सीएमएचओ ने बताया कि तंबाकू नियंत्रण कानूनों के उल्लंघन पर इसी तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार की जाती रहेगी।

बाबा भूतेश्वरनाथ की धर्मनगरी गरियाबंद में कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

गरियाबंद (समय दर्शन)। धर्म और आस्था की गंगा में डूबा गरियाबंद बुधवार को भव्य कलश यात्रा का साक्षी बना। राम मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई कलश यात्रा देवभोग रोड, तिरंगा चौक, मेन रोड, बाजार चौक होते हुए पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में सैकड़ों महिला श्रद्धालु पीत वस्त्र धारण कर, सिर पर कलश रखे हुए शामिल हुईं। वातावरण में हरे रामा हरे कृष्णा और जय श्रीराम के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। यात्रा के पूर्व कथा स्थल पर हवन-पूजन हुआ और विधिवत श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा एवं गणेशोत्सव 2025 का शुभारंभ किया गया।

विख्यात कथा वाचक आचार्य पं. प्रेम किशोर शर्मा (तूता नया रायपुर) ने कथा का प्रारंभ करते हुए कहा ङ्कश्रीमद्भागवत कथा जीवन के उद्देश्य और दिशा को दर्शाने वाली दिव्य गाथा है। जहां भी कथा होती है, वहां का समूचा क्षेत्र नकारात्मकता से मुक्त होकर सकारात्मक ऊर्जा से आलोकित हो जाता है। कथा की

सार्थकता तभी है जब इसे हम अपने आचरण और व्यवहार में धारण करें। उन्होंने आगे कहा कि कथा श्रवण से जन्म-जन्मांतर के विकार नष्ट होकर प्राणी मात्र का लौकिक और आध्यात्मिक विकास होता है।श्रीमद्भागवत कथा में 28 से 31 अगस्त श्रीकृष्ण जन्मोत्सव,नंदोत्सव, बाललीला,कंस वध कथा,सितंबर रासलीला, उधव चरित्र एवं रुक्मिणी विवाह,सितंबर सुंदरकांड पाठ, भजन संध्या एवं विशेष प्रवचन और सितंबर : कथा समापन, पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण किया जायेगा।

इस भव्य आयोजक के स्वागताध्यक्ष पार्षद छगन यादव ने कहा ङ्कगरियाबंद की पावन धरती पर आयोजित यह श्रीमद्भागवत कथा नगरवासियों के लिए सौभाग्य की बात है। यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक आस्था को मजबूती देता है बल्कि समाज में प्रेम, एकता और सद्भाव का संदेश भी फैलाता है। समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें। वही कार्यक्रम में प्रतिदिन भजन संध्या,महिला मंडली की प्रस्तुतियाँ,सांस्कृतिक आयोजन और विशाल भंडारा भी रखा गया है।

बकेला जलाशय परियोजना एवं सुतियापाट नहर विस्तारीकरण हेतु 121 करोड़ की स्वीकृति मिली

पंडरिया विधायक भावना ने मुख्यमंत्री विष्णु देव का जताया आभार

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में किसानों के हित और उन्हें सिंचाई हेतु पर्याप्त जल आपूर्ति के लिए विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से 121 करोड़ 92 लाख 66 हजार रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति मिली है। बकेला के पास हाफ नदी में व्यपवर्तन योजना का निर्माण कार्य एवं फीडर तथा रमतला जलाशय का शीर्ष कार्य, नहरों का रिमाडलिंग कार्य एवं क्रांति जलाशय तथा देवसरा जलाशय के नहरों का रिमॉडलिंग लाईनिंग तथा नहर विस्तारीकरण हेतु 82 करोड़ 53 लाख 80 हजार रुपए की स्वीकृति मिली है, जिससे 2686.13 हेक्टेयर में सिंचाई हेतु जल आपूर्ति होगी एवं सुतियापाट जलाशय मध्यम सिंचाई परियोजना के बाईं तट मुख्य नहर का विस्तारीकरण तथा माइनर नहरों के निर्माण हेतु 39 करोड़ 38 लाख 86 हजार की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति मिलने से 2916 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में सिंचाई हेतु पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। कृषि एवं कृषक कल्याण हेतु पंडरिया विधानसभा को मिली इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, तत्कालीन जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप् एवं वित्तमंत्री ओ.पी.चौधरी का विधायक भावना बोहरा ने आभार व्यक्त करते हुए किसानों को बधाई दी है।

विधायक भावना ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री

साय के नेतृत्व में जिस तत्परता से डबल इंजन भाजपा सरकार मोदी की गारंटी को पूरा कर रही है। किसानों के हित को सर्वोपरि रखकर उन्हें आत्मनिर्भर व सशक्त बना रही है वह विकसित भारत का सशक्त प्रमाण है। आज पंडरिया विधानसभा के किसान भाई-बहनों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है। सुतियापाट नहर विस्तारीकरण से 26 गांव में किसानों को 2916 हेक्टेयर से अधिक खरीफक्षेत्र में सिंचाई के लिए पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। वहीं बकेला जलाशय परियोजना से 2686 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि में सिंचाई हेतु जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। आज यह विकास कार्य क्षेत्र के किसानों और जनता के विशेष सहयोग से हो रहें हैं। विकास कार्यों और अधोसंरचना निर्माण के कार्य निरंतर प्रगति पर हैं। शासकीय योजनाओं से लेकर जनकल्याण के कार्य कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ जनहित के कार्य हो रहें हैं। विगत डेढ़ वर्षों में पंडरिया विधानसभा अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों व अधोसंरचना निर्माण हेतु 300 करोड़ से अधिक के कार्यों की स्वीकृति, सड़क, नाली, पुल-पुलिया, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था एवं जनता की मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

भावना बोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने सबसे पहले किसानों के हित में निर्णय लिया और दो वर्ष का बकाया धान बोनस एवं 3100 रु प्रति क्विंटल में धान खरीदी की। उन 18 लाख गरीब परिवारों के लिए निर्णय लिया जिन्होंने अपने पक्के आवास का सपना देखा था। उन युवाओं के लिए निर्णय लिए जो रोजगार की तलाश कर रहे थे और जिनका भविष्य कांग्रेस ने सीजी-पीएससी जैसे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दी। उन माताओं-बहनों के सशक्तिकरण के लिए निर्णय लिया गया जो पांच वर्षों तक अपेक्षित थी और आज महतारी वंदन योजना से 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 की राशि उन्हें मिल रही है। आज इन संकल्पों को पूरा करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों को नए पंख दिए। आज पूरे प्रदेश में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं, अधोसंरचना निर्माण से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है, तो वहीं जनता को सुविधा भी मिल रही है।

सक्षम दिव्यांग आवासीय विद्यालय में न्योता भोज

गरियाबंद। विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं होता,बल्कि यह वह घर होता है जहाँ विद्यार्थी अपने सपनों को सँजोते हैं,अपनी क्षमताओं को पहचानते हैं और परिवार की तरह साथ रहते हैं। इसी भावना को जीवंत करते हुए गरियाबंद रोड में स्थित सक्षम दिव्यांग आवासीय विद्यालय में व्याख्याता समीक्षा गायकवाड़ शासकीय रामबिशाल पाण्डेय सेजेस राजिम द्वारा विद्यार्थियों के लिए विशेष न्योता भोज का आयोजन किया गया।भोज के दौरान बच्चों को फल,मिष्ठान,कॉपी और पेन भेंट किए गए।उपहार पाकर उनके चेहरे खुशी से दमक उठे और उन्होंने मिलकर भोज का भरपूर आनंद लिया।विद्यालय की प्राचार्य उमेश्वरी साहू ने बताया कि यहाँ लगभग 70 दिव्यांग छात्र-छात्राएँ रहते हैं,जिनमें दृष्टिबाधित,श्रवण बाधित और मानसिक मंदता वाले विद्यार्थी शामिल हैं।सभी छात्रों की विशेष आवश्यकता के अनुसार ब्रेल,स्पीच थैरेपी,साइन लैंग्वेज इत्यादि द्वारा शिक्षण प्रदान किया जाता है। यह आवासीय विद्यालय होने के कारण सभी विद्यार्थी लगभग सभी पर्व-त्योहार यहीं एक परिवार की तरह मिलकर मनाते हैं। यही कारण है कि यह विद्यालय बच्चों के लिए केवल शिक्षण केंद्र नहीं बल्कि एक घर बन गया है। इस अवसर पर व्याख्याता समीक्षा गायकवाड़ ने कहा कि दिव्यांगता जीवन में कोई रुकावट नहीं है, बल्कि यह कार्यों को अलग ढंग से करने की विशेष क्षमता है। प्रत्येक बच्चा अपने भीतर अनोखी प्रतिभा लेकर जन्म लेता है। यदि उसे सही दिशा और प्रोत्साहन मिले तो वह जीवन में ऊँचाइयों को छू सकता है।इस अवसर पर सेजेस विद्यालय के छात्र रूद्र पटेल और लक्ष्मी वर्मा ने भी दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ समय बिताया। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ यह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय और हृदयस्पर्शी रहा। न्योता भोज के इस आयोजन में विद्यालय की प्राचार्य उमेश्वरी साहू सहित विशेष शिक्षक सुधा साहू,अनिल मानिकपुरी, कमलकांत,टिकेश्वर सेन,ढालेंद्र दास मानिकपुरी, चांदनी सिन्हा,संजय शुक्ला,इक्षा चौहान,भानु प्रताप साहू और लिलेश्वर मरकाम उपस्थिति रही।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर जिले में खेल दिवस का हुआ भव्य आयोजन

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण कर किया गया सम्मानित

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्व.मेजर ध्यानचंद की जन्म दिवस के अवसर पर आज राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम के खेल मैदान में आयोजित किया गया।खेल दिवस के कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने कबड्डी,खो-खो,रस्साकसी जैसे विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।साथ ही उत्साह के साथ खेल की गतिविधियों में भाग लिए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कलेक्टर बीएस उइके ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रिखीराम यादव,जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर,उपाध्यक्ष नगर पालिका आशिफमेमन सहित पार्षद सुरेन्द्र सोनटेके,अपर कलेक्टर नवीन भगत प्रभारी जिला खेल अधिकारी, सीएमएचओ,परियोजना अधिकारी बुद्धविलास शामिल हुए।मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं बल्कि मानसिक संतुलन और अनुशासन का भी आधार है।राष्ट्रीय खेल दिवस पर हमें मेजर ध्यानचंद जी के जीवन से प्रेरणा लेकर खेलों में उत्कृष्टता की ओर बढ़ना चाहिए।कलेक्टर बीएस उइके ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। खेलों से न केवल शारीरिक तंदुरुस्ती प्राप्त होती है,बल्कि उनमें अनुशासन,टीम भावना और आत्मविश्वास भी विकसित होता है।उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाना हम सभी के लिए गौरव की बात है। कलेक्टर ने विद्यार्थियों और युवाओं से कहा कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी करें, क्योंकि खेल स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र निर्माण की नींव रखते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें उचित मंच प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव ने भी राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मेजर ध्यानचंद द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्यो से बच्चों को सीख लेने का संदेश दिया।राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर खेल के प्रति समर्पण और उत्साह का परिचय दिया।जिसमें बालक बालिकाओं को प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।कबड्डी बालक वर्ग से मदनपुर हाई स्कूल प्रथम एवं पीएमश्री गरियाबंद द्वितीय स्थान, कबड्डी बालिका वर्ग से कसेरू हाई स्कूल प्रथम एवं कन्या शाला गरियाबंद द्वितीय स्थान,खो-खो में बालक वर्ग से कसेरू हाई स्कूल प्रथम एवं पीएमश्री गरियाबंद द्वितीय स्थान,खो-खो में बालिका वर्ग से कन्या शाला गरियाबंद प्रथम एवं सरस्वती शिशु मंदिर गरियाबंद द्वितीय स्थान,रस्साकसी में बालक वर्ग से कसेरू हाई स्कूल प्रथम एवं पीएमश्री गरियाबंद द्वितीय स्थान एवं बालिका वर्ग से कन्या शाला गरियाबंद प्रथम एवं पीएमश्री गरियाबंद द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शिक्षक/व्यायाम शिक्षक संजीव साहू विकासखंड नोडल,आनंद झा, नलनी सोनकुंवर,रजनी भाया,सूरज महाड़िक, नंदकुमार रात्रे,निलेश देवांगन,देवेन्द्र बंजारी,नितिन बखारिया,गिरीश शर्मा,दानवीर साहू,लोकेश ध्रुव, होरीलाल साहू,चम्पेश्वर यादव,ममता साहू का विशेष योगदान रहा है।

7 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ शराब के साथ आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद। नशे के विरुद्ध नया सवेरा अभियान के अंतर्गत आज दिनांक को मुखबिर द्वारा सूचना मिला कि,ग्राम पतोरी एक व्यक्ति अपने घर के बाजू बाड़ी में भारी मात्रा में कच्ची महुआ शराब रखकर बिक्री करने हेतु ग्राहक का इंतजार कर रहा है,इस सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा टीम तैयार कर मुखबीर द्वारा बताये स्थान पहुंच घेरा बंदी कर संदेही कमलेश गंधर्व पिता स्व.दीपक गंधर्व उम्र 29 साल निवासी पतोरी थाना फिंगेश्वर घर पर ही मिला उससे पूछताछ व घर एवं बाड़ी की तलाशी लिया गया।तलाशी दौरान संदेही कमलेश गंधर्व के बाड़ी से एक सफेद रंग की 10 लीटर क्षमता वाली प्लास्टिक के जरकीन में कच्ची महुआ शराब जैसे तरल पदार्थ भरा हुआ मिला।जिसके अंदर से 7 लीटर कच्ची महुआ शराब किमती 1400/-रूपये को समक्ष गवाहों के आरोपी के कब्जे से जप्त किया।आरोपी का कृत्य धारा 34(2) छ.ग. आबकारी एक्ट का घटित करना पाये जाने पर अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

//उदघोषणा//

राजस्व प्रकरण क्र0 अ/06
वर्ष 2024-2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आनंद प्रसाद व अन्य पिता-जमुना प्रसाद निवासी प्रेम नगर सिकोला भाठा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम - अरसनारा तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 807 रकबा 1.31 हे0 भूमि जो कि आंनद प्रसाद व अन्य के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के सहखातेदार अरूण प्रसाद मृत्यु दिनांक 11.09.2024 हो जाने पर फौती दर्ज कर विधिक वारिसानों का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वह नियत पेशी दिनांक 17.09.2025 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित में दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी भी प्रकार का कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 25/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

विज्ञापन संख्या: R&P /312/2025 दिनांक: 31.07.2025

विभिन्न गैर-शिक्षण पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित आवेदन पत्र में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 04.09.2025 या रोजगार समाचार में विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से दो सप्ताह, जो भी बाद में हो, है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in पर जाएँ और विज्ञापन - विभाग शीर्षक के अंतर्गत DU" के साथ कार्य करें पर क्लिक करें।

कोई भी परिशिष्ट/शुद्धिपत्र केवल वेबसाइट पर ही पोस्ट किया जाएगा।

रजिस्ट्रार

cbc21231/12/0001/2526

कार्यालय कलेक्टर, रायपुर (छ.ग.)

सार्वजनिक सूचना

क्रमांक/3116/भू-अर्जन/2025 रायपुर दिनांक 18/08/2025

कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक-1 रायपुर द्वारा जिला रायपुर के रायपुर, जिला-रायपुर स्थित निजी भूमि कुल खसरा 01 कुल रकबा 1020.00 वर्गमीटर भूमि को आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 1016 के तहत निम्नलिखित भूमि स्वामी का उनके नाम के समक्ष अंकित खसरों की भूमि क्रय किए जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। जिसमें संबंधित भूमि स्वामी से प्रारुप ख में भूमि विक्रय करने के संबंध में स्वीकृति प्राप्त किया जा चुका है-

क्र.	भूमिस्वामी का नाम/पता	खसरा नम्बर	रकबा (व.मी.में)
1	2	3	4
1	श्रीमती ममता पति श्री किशनदास कोठारी, निवासी 31/4, सिविल लाईन रायपुर (छ.ग.)	224/4 शामिल 224/10	1020.00 व.मी.
	योग		1333.00 व.मी.

उक्त सार्वजनिक सूचना पर यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त भूमि के संबंध में किसी प्रकार की स्वत्व संबंधी आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक लिखित आपत्ति कार्यालय कलेक्टर, रायपुर में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

जी-252603080/1

कलेक्टर
रायपुर (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

बिलासपुर के गुरु घासीदास विश्व विद्यालय में बांस कला पर ट्रेनिंग देंगे पाटन आर्ट गैलरी के संचालक राम पटेल, बांस कला को बढ़ावा देने की जा रही पहल

पाटन। छत्तीसगढ़ में बांस कला को बढ़ावा देने के लिए गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के द्वारा तीन दिवसीय बांस कला प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 8 से 10 सितंबर 2025 तक आयोजित है। इस आयोजन में पाटन आर्ट गैलरी के संचालक राम कुमार पटेल एवं उनके सहयोगी मुकेश वर्मा अपने बास कला का प्रशिक्षण वहां पर देंगे ।बता दें कि छत्तीसगढ़ में इस कला को बढ़ावा देने के लिए इस तरह से आयोजन कराए जाते हैं। पाटन के आर्ट गैलरी में बांस कला का कई बेहतरीन नमूना देखे जा सकते हैं। वहीं इसे और विस्तार देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित है।

घर के पास पानी भरे गड्ढे में डूबने से 12 माह के मासूम की मौत, गांव में पसरा मातम

हसौद। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मल्दा में शुक्रवार को एक हादसे में 12 माह के मासूम बच्चे की डूबने से मौत हो गई। ग्राम मल्दा निवासी किशन कश्यप का छोटा पुत्र शिवांश कश्यप दोपहर करीब 12 बजे खेलते-खेलते अचानक घर से लापता हो गया। परिजनों ने जब बच्चे को घर में नहीं पाया, तो आसपास खोजबीन शुरू की गई। पड़ोसियों से पूछताछ करने के बाद परिजनों ने घर के पीछे की ओर देखा, जहां एक खाली जगह में पानी से भरा गड्ढा था। गड्ढे में झांकने पर लोगों को बच्चे का शव नजर आया। आनन-फानन में उसे बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया जा रहा है कि घर के पास लंबे समय से यह गड्ढा पानी से भरा हुआ था, लेकिन उस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

दंतेवाड़ा में बाढ़ संकट के बीच एनएमडीसी का राहत कार्य, 8000 राशन किट प्रदान कर प्रभावितों की मदद

दंतेवाड़ा बचेली (समय दर्श न)। बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिलों में लगातार तीन दिनों तक हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न विकट परिस्थितियों में एनएमडीसी की छत्तीसगढ़ स्थित परियोजनाओं ने राहत और बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दंतेवाड़ा में बाढ़ की भीषण तबाही के बाद, एनएमडीसी ने प्रभावित जन-जीवन को सामान्य बनाने के लिए त्वरित कदम उठाए। कंपनी ने जिला प्रशासन को 8000 राशन और भोजन सामग्री किट प्रदान किए, जिससे प्रभावित लोगों को तात्कालिक राहत मिली। लगातार बारिश के कारण जिले में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे, जिससे जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और जन-धन की हानि भी हुई। एनएमडीसी ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्यों को गति प्रदान की, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति को सामान्य करने में महत्वपूर्ण सहायता मिली। इन प्रयासों ने न केवल तात्कालिक राहत प्रदान की, बल्कि समुदाय के प्रति एनएमडीसी की सामाजिक जिम्मेदारी को भी दर्शाया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर सद्भावना साइकिल रैली का आयोजन

दंतेवाड़ा बचेली (समय दर्श न)। राष्ट्रीय खेल दिवस और हॉकी के जादूगर पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर 29 अगस्त को मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक) शाखा किरंदुल ने प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक सद्भावना साइकिल रैली का आयोजन किया। रैली का शुभारंभ शुक्रवार शाम 5 बजे एनएमडीसी किरंदुल के फुटबॉल ग्राउंड से मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) के.पी. सिंह और डीजीएम (पर्सनल) तनवीर जावेद ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली सीआईएसएफबैरक, बैंक चौक, अंबेडकर पार्क, और जयस्तंभ चौक से होते हुए इंटक भवन पर समाप्त हुई। इस अवसर पर यूनियन की ओर से सभी प्रतिभागियों को मेडल प्रदान किए गए।

श्रमिक पंजीयन शुल्क में उगाही, विभाग ने दी सख्त हिदायत

- आखिर गहरी निद्रा से जागा विभाग

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत के श्रमिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालने वाले सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) संचालकों पर अब विभागीय शिकंजा कस सकता है। लंबे समय से चल रहे कामना सर्विस सेंटर संचालकों की मनमानी के बाद अब विभाग की नींद खुली है। आपको बता दे कि, श्रमायुक्त, छत्तीसगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ केंद्र संचालक श्रमिक पंजीयन और योजना आवेदन के लिए विभाग द्वारा तय शुल्क से कई गुना अधिक वसूल रहे हैं।

निर्धारित शुल्क की जानकारी- श्रम विभाग ने श्रमिक पंजीयन शुल्क ?30 तथा योजना आवेदन शुल्क ?20 तय किया है। लेकिन शिकायतों में सामने आया है कि कई केंद्र संचालक 1000 से 1500 रुपए तक वसूल रहे हैं।

विभाग की सख्त हिदायत- श्रम पदाधिकारी ने जिले के सभी सीएससी केंद्रों को निर्देशित किया है कि शुल्क संबंधी सूचना स्पष्ट रूप से केंद्रों में प्रदर्शित करें और केवल अनुमोदित राशि ही वसूलें। यदि कोई संचालक नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ यथोचित जांच कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरों को सतर्क रहने की अपील- विभाग ने श्रमिकों से अपील की है कि वे निर्धारित शुल्क से अधिक भुगतान न करें और यदि किसी केंद्र पर अवैध वसूली की जाए तो इसकी शिकायत श्रम विभाग कार्यालय में दर्ज कराएं।

विदेशी मदिरा दुकान बसना में मारपीट

- नौकरी से निकाले गए 5 कर्मचारी – SC/ST एक्ट के तहत कर रहे कार्रवाई की मांग
- आबकारी निरीक्षक और प्लेसमेंट एजेंसी पर लग रहे गंभीर आरोप
- अनुविभागीय अधिकारी के आदेश का हो रहा उलंघन

बसना (समय दर्शन)। तहसील बसना के गढ़पटनी रोड स्थित विदेशी मंदिरा दुकान बसना में नियुक्त 5 कर्मचारियों को बिना किसी गलती के नौकरी से निकालने का मामला तूल पकड़ चुका है। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री, पुलिस अधीक्षक और एसडीएम को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

कर्मचारियों का आरोप है कि नव नियुक्त आबकारी उप निरीक्षक अनिल कुमार झरिया और रायपुर की इगल हंटर प्लेसमेंट एजेंसी के अधिकारी आलोक गुप्ता ने मिलकर झूठा आरोप लगाते हुए उन्हें दुकान से बाहर कर दिया है।

25 जुलाई 2025 को निरीक्षण के दौरान दुकान में किसी भी प्रकार की राशि की कमी नहीं मिलने के बावजूद जबरन ?67,380 की घटती बताकर कर्मचारियों को बाहर कर दिया गया। जबकि उक्त राशि दुकान में ही जमा थी। इसका ब्यौरा भी अधिकारियों को दिखाया गया।

कर्मचारियों का कहना है कि अनुविभागीय अधिकारी बसना द्वारा जारी स्टैंडिंग लेटर में स्पष्ट निर्देश था कि, जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और अंतिम निर्णय नहीं होता, तब तक किसी भी कर्मचारी को नौकरी से अलग नहीं किया जाए।

इसके बावजूद आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए कर्मचारियों को सेवा से हटा दिया गया।

5 अगस्त 2025 को आलोक गुप्ता कथित तौर पर 7-8 बाउंसरों के साथ दुकान पहुंचा और सुपरवाइजर देवप्रसाद

बरिहा के साथ मारपीट की।

अस्लील जातिगत गाली-गलौज कर अपमानित किया गया और धमकी दी गई कि तुम आदिवासी-सतनामी लोग कभी नहीं सुधरोगे, मैं सबको नौकरी से निकलवा दूंगा।

शाम तक दुकान में डरा-धमकाकर 4 नए कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी गई।

कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें ब्लैकलिस्ट करने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे उनके भविष्य पर भी संकट खड़ा हो गया है। इतना ही नहीं, पुलिस थाने के कुछ अधिकारी भी एफआईआर वापस लेने के लिए दबाव डाल रहे हैं।

पीड़ित कर्मचारियों ने मांग की है कि - दोषियों पर स्ष्ट/स्ञ्ज एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

सभी को वापस नौकरी में बहाल किया जाए।

प्लेसमेंट एजेंसी की मनमानी और भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाए।

कर्मचारियों को ब्लैकलिस्ट करने जैसी कोशिशों पर तत्काल प्रतिबंध लगे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भोरिंग, बागबाहरा के खिलाड़ी कोंडागांव रवाना

महासमुंद (समय दर्शन)। 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन कोंडागांव में 28 से 31 अगस्त तक आयोजित किया गया जिसमें रायपुर संभाग के खिलाड़ी अंडर 14,17,19 वर्ष आयु के बालक एवं बालिका वर्ग में तीरंदाजी एवं मलखंभ खेल में शामिल होंगे एवं 19 वर्ष बालक फुटबॉल में शामिल होंगे।

दल के साथ प्रशिक्षक व मैनेजर व्यायाम शिक्षक डॉ. सुनील कुमार भोई, ऋषि कपूर साहू, कमला मांझी शामिल हैं। जिले से शासकीय उच्चतर माध्यम विद्यालय भोरिंग, बागबाहरा के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाने में सफलता हासिल किया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल जिले के सभी खिलाड़ियों को विद्यालय महासमुंद योगेश्वर राजू सिंहा, जिलाध्यक्ष भारत स्काउट एंड गाइड महासमुंद येतराम साहू, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजलि बरमाल, लीलाधर सिंहा, हिना ढालेन, प्राचार्य लोकनाथ दीवान, डॉ. विकास अग्रवाल, एवन कुमार साहू, हिरेंद्र देवांगन, अरविंद छाबड़ा, डॉ. पूर्णेन्द्र चंद्राकर अधीक्षक बाल आश्रम बिहाझर ने शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर पाटन कॉलेज में प्रतिभावान खिलाड़ी सम्मानित हुए

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, पाटन में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नंदा गुरवारा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल मनोरंजन का माध्यम हैं, बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने छात्रों को खेल भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। सत्र 2024- 25 में विश्विद्यालय और राष्ट्रीय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और सभी खिलड़ियों को आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा प्रभारी जितेंद्र मंडावी सर द्वारा किया गया।जितेन्द्र मंडावी ने महाविद्यालय में उपलब्ध खेल सुविधाओं व गतिविधियों की जानकारी दी और खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट तथा ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में भाग लेकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। अतिथि क्रीड़ा आलोक कुमार चौरसिया ने मेजर ध्यानचंद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए हॉकी की उपलब्धि के बारे में बताया और कार्यक्रम का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले खिलाडी कु पायल क्रिकेट महिला, लोकेश्वरी हैंडबाल महिला, दीपक कुमार वेटलिफ्टिंग पुरुष, मौसमी निर्मलकर वेटलिफ्टिंग महिला, शिवानी निषाद वेटलिफ्टिंग महिला, नमन कुमार साहू कबड्डी पुरुष रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, अधिकारीगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं खिलाडीगण उपस्थित रहे।

नवजात शिशु को फेंक देने पर उमड़ा आक्रोश

- छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने पुलिस प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

साजा (समय दर्श न)। थानखम्हरिया नगर में बीते 24 अगस्त को हुई हृदयविदारक घटना अज्ञात आरोपी द्वारा नवजात शिशु को फेंकने के बाद इलाज के दौरान मासूम की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना से आक्रोशित छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के कार्यकर्ता शुक्रवार को थाना थानखम्हरिया पहुंचे और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

मासूम को श्रद्धांजलि- ज्ञापन सौंपने से पहले कार्यकर्ताओं ने घटना स्थल का दौरा किया और जय स्तंभ चौक पर नवजात शिशु को श्रद्धांजलि अर्पित कर मौन धारण किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस अमानवीय कृत्य से समाज शर्मसार हुआ है।

पार्टी पदाधिकारी एवं सेनानी रहे उपस्थित- इस अवसर पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पटेल, नगर अध्यक्ष बेमेतरा सूर्या सिंह चौहान, पार्थ मानिकपुरी, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना जिला अध्यक्ष निलेश साहू, ब्लॉक अध्यक्ष साजा श्रवण कुमार साहू, ब्लाक अध्यक्ष बेमेतरा लुकेश्वर साहू, डॉ डागेश्वर निषाद, रूपेश साहू, त्रिलोक साहू, वीरसिंह साहू, जोहन निषाद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व सेनानी मौजूद रहे।

आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि आरोपी शीघ्र गिरफ्तार नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन की तैयारी की जाएगी।

थाना प्रभारी देशलहरे का आश्वासन- थाना प्रभारी द्वारिका देशलहरे ने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि मामले की जांच तेज़ी से जारी है। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों से पूछताछ, मितानिनों से जानकारी और सीसीटीवी फुटेज की जांच सहित हर पहलू पर कार्य हो रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जल्द ही दोषी पुलिस के शिकंजे में होंगे।

25,000 का इनाम घोषित- घटना की सच्चाई उजागर करने और आरोपी तक पहुंचने के लिए छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने 15,000 रुपये तथा थाना प्रभारी द्वारिका देशलहरे ने 10,000 रुपये का नगद इनाम घोषित किया है।

सुराग देने वाले का नाम पुलिस द्वारा पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा।

सेवा और सहयोग की संस्कृति ही समाज की असली शक्ति है- विधायक डॉ संपत अग्रवाल

- रायपुर मे नवम अग्र अलंकरण समारोह का भव्य आगाज

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा रायपुर के एस. एन. पैलेस में आयोजित नवम अग्र अलंकरण समारोह में बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए । शामिल होकर सर्वप्रथम श्री अग्रसेन महाराज जी को पुष्प अर्पित किए । इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में उन्होंने समाज के उन 27 उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मीडिया से बातचीत के दौरान, डॉ. संपत अग्रवाल ने महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन की परंपरा हमें समानता, सहयोग और सेवा की प्रेरणा देती है। उन्होंने बताया कि किस तरह महाराजा अग्रसेन ने एक ऐसा समाज स्थापित किया था, जहाँ हर व्यक्ति का सम्मान हो। उनके 'एक ईंट और एक रुपया' के सिद्धांत ने एक ऐसे समुदाय की नींव रखी, जहाँ हर कोई एक-दूसरे की मदद करता है। यह समारोह भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाता है।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने श्री अग्रसेन महाराज जी के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हुए उन्हें देश का पहला समाजवादी बताया। विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा कि 27 विभूतियों का सम्मान आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस वर्ष, सैकड़ों आवेदनों में से चयन समिति ने 27 विशिष्ट व्यक्तियों को चुना। इनमें यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थी, साहित्यकार, खिलाड़ी, समाजसेवी और उद्योगपति शामिल थे। इन सभी को उनके असाधारण योगदान के लिए 'अग्रदीप', 'अग्र गौरव', 'अग्र भूषण', 'अग्र दानी' और 'अग्र कीर्ति' जैसे विशिष्ट सम्मानों से नवाजा गया। इस शुभ अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरी शंकर अग्रवाल, राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल,राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सियाराम अग्रवाल, डॉ अशोक अग्रवाल,संरक्षक महेंद्र सक्सरिया,राज्य चेयरमैन अशोक मोदी,संरक्षक नेतराम अग्रवाल,राजेंद्र अग्रवाल , समाज के वरिष्टजन सहित भारी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27